लखनऊ

गुरुवार, 11 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 285

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

अकड़ और अभिमान एक मानसिक बिमारी है, जिसका इलाज समय और कुदरत जरूर करती है।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

उरी सेक्टर के आर्मी कैंप में ग्रेनेड ब्लास्ट, दो जवान शहीद; पुंछ जिले में पाकिस्तानी किशोर भी पकड़ा

उरी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में एक दर्दनाक हादसे में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। सेना अधिकारियों के अनुसार, कमलकोट स्थित सैन्य शिविर में रूटीन इक्विपमेंट हैंडओवर के दौरान एक हैंड ग्रेनेड अचानक फट गया, जिससे दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सेना के 92 बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेना ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और ग्रेनेड विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में इस घटना को दुर्घटनावश हुआ विस्फोट माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। श्रीनगर स्थित रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से पूरी जानकारी मिलने के बाद ही औपचारिक टिप्पणी की जाएगी। इसी बीच, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय सीमा में दाखिल हुए एक 14 वर्षीय पाकिस्तानी किशोर को सेना ने हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, मेंढर सेक्टर के नागरी टेकरी इलाके में तैनात सतर्क जवानों ने किशोर को सीमा पार करने के तुरंत बाद रोक लिया। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (क्कश्य) से गलती से भारतीय सीमा में आ गया था। सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल किशोर से पूछताछ कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद स्थापित प्रक्रियाओं के तहत उसे पाकिस्तान वापस भेजा जा सकता है।

ट्रक और यात्री बस की आमने-सामने टक्कर, चार लोगों की मौत; 10 घायल

बहराइच। बहराइच जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दस अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक और यात्री बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में लखनऊ से रुपईडीहा जा रही सवारियों से भरी रोडवेज बस को तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें हरदी पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती करवाया, जहां 3 यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रोडवेज बस लखनऊ से बहराइच होते हुए रुपईडीहा जा रही थी। भगवानपुर चौराहे के करीब सामने से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रमपुरवा भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विश्वजीत चौधरी ने बताया, प्राप्त जानकारी के अनुसार चार लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि दस लोग घायल हुए हैं।

पीएम मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने, जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रमुख के तौर पर 12 साल पूरे कर लिए हैं। पीएम मोदी ने चुने हुए प्रधानमंत्री के तौर पर 4,399 दिनों तक पद पर रहने का पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया।इस तुलना के लिए नेहरू के 1952 से शुरू हुए कार्यकाल को आधार माना गया है, क्योंकि देश के पहले आम चुनाव होने से पहले, 1947 से 1952 के बीच वे अंतरिम सरकार के प्रमुख थे।

हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 14 साल से ज्यादा समय तक पद पर रहीं, लेकिन उनका कार्यकाल लगातार नहीं था। इस वजह से पीएम मोदी देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने 2014 में पहली बार शपथ लेने से लेकर 2019 में लगातार दूसरी बार और 2024 में ऐतिहासिक रूप से लगातार तीसरी बार जनादेश हासिल करने तक सेवा की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दौर में कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्र-निर्माण प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए गए हैं, जिनमें नया संसद भवन, सेंट्रल विस्टा का रीडेवलपमेंट, कर्तव्य पथ, वंदे भारत ट्रेनें, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, आईएनएस विक्रांत, कश्मीर रेल लिंक, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नमो भारत आरआरटीएस और गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं।

इसी बीच, नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) बुधवार को राजधानी में एक अहम बैठक करेगा। यह बैठक केंद्र में एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बनने का जश्न मनाने के लिए आयोजित की जाएगी।

भारत मंडपम में होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के शीर्ष नेताओं, एनडीए-शासित सभी 22 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ गठबंधन की सहयोगी पार्टियों के नेताओं के भी शामिल होने की उम्मीद है।

सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान एनडीए एक प्रस्ताव पास कर सकता है जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने की ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में राजनाथ सिंह, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और शिवराज सिंह चौहान समेत केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्री और एनडीए के अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

यह बैठक एनडीए सरकार के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है और उम्मीद है कि इसमें गठबंधन की उपलब्धियों, भविष्य की नीतिगत प्राथमिकताओं और राजनीतिक रोडमैप पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्य चर्चाएं शासन से जुड़ी पहलों, विकास कार्यक्रमों और आगामी चुनावी चुनौतियों की तैयारियों के इर्द-गिर्द होने की संभावना है।

पेट्रोल-सिलिंडर के बाद अब फ्लाइट टिकट भी होगी महंगी, जेट फ्यूल हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की नई प्राइस स्टेबलाइजेशन स्कीम के तहत घरेलू एयरलाइंस अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें तीन साल तक के लिए तय कर सकेंगी। इसी बीच सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने जेट फ्यूल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। नई व्यवस्था के अनुसार, इस स्वैच्छिक योजना को अपनाने वाली एयरलाइंस को एटीएफ के लिए 115 रुपये प्रति लीटर की निश्चित कीमत चुकानी होगी। इससे पहले यह कीमत 104.927 रुपये प्रति लीटर थी। जो एयरलाइंस इस योजना में शामिल नहीं होंगी, वे बाजार आधारित दरों पर ही ईंधन खरीदती रहेंगी। वर्तमान में यह दर लगभग 142 रुपये प्रति लीटर है, जो अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस द्वारा चुकाई जाने वाली कीमतों के बराबर है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना पूरी तरह वैकल्पिक है और एयरलाइंस स्वयं तय करेंगी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का सख्त फैसला : अवैध हिरासत पर 2 लाख मुआवजा, दोषी एसीपी की सैलरी से वसूली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली में शांति भंग की धाराओं के दुरुपयोग पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता सर्वोपरि है और बिना वैधानिक प्रक्रिया के किसी निर्दोष को जेल नहीं भेजा जा सकता। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने मंसूर अहमद उर्फ लल्लू की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

कोर्ट ने मंसूर अहमद को 8 दिनों की अवैध हिरासत के लिए 2 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह राशि दोषी तत्कालीन एसीपी की सैलरी से वसूली जाएगी।

प्रयागराज के खीरी इलाके के रहने वाले मंसूर अहमद को बिना किसी उचित कानूनी प्रक्रिया के उठाया गया। मात्र एक प्रोफार्मा आदेश पर उन्हें सीधे जेल भेज दिया गया। हाई कोर्ट ने इस पूरी कार्रवाई को पूरी तरह अवैध करार दिया। कोर्ट ने कहा कि आठ दिन की यह हिरासत किसी भी मायने में कानून के अनुरूप नहीं थी। खंडपीठ ने इस मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि गाजियाबाद, प्रयागराज समेत कई जिलों में पुलिस कमिश्नरों और मजिस्ट्रेटों द्वारा शक्तियों का दुरुपयोग कर हजारों नागरिकों को जेलों में बंद रखा गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रयागराज द्वारा उपलब्ध कराए गए रिकॉर्ड्स से चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए।

2024 में 283 लोग
2025 में 1,321 लोग
2026 अब तक 721 लोग

कुल 2,325 लोग इस तरह की एहतियाती कार्रवाई में हिरासत में लिए गए। कई लोगों को एक हफ्ते से लेकर 20 दिनों तक जेल में रखा गया।

हाई कोर्ट ने दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यदि किसी व्यक्ति को 24 घंटे से अधिक अवैध हिरासत में रखा गया तो राज्य सरकार उसे 25 हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा देगी। यह राशि दोषी अधिकारी की सैलरी से वसूली जाएगी और उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी होगी। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को 14 सितंबर 2026 तक इस आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

ममता की करीबी राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक और बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की करीबी मानी जाने वाली राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सुष्मिता देव का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब टीएमसी पहले से ही अंदरूनी असंतोष और नेताओं के पार्टी छोड़ने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में उनके इस कदम को पार्टी के लिए एक और बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। हालांकि, उनके इस्तीफे के कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सुष्मिता देव लंबे समय से टीएमसी का प्रमुख चेहरा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की सक्रिय प्रवक्ता एवं प्रतिनिधि के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।

DM ऑफिस के बाहर महिला ने डीजल डालकर की आत्मदाह की कोशिश, मचा हड़कंप, होमगार्ड जवानों ने दौड़कर बचाई जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

फतेहपुर। फतेहपुर कलेक्ट्रेट परिसर में 10 जून यानी बुधवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने अपने ऊपर डीजल डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की। महिला माचिस जलाने ही वाली थी कि वहां ड्यूटी पर मौजूद होमगार्ड जवानों ने तेजी दिखाते हुए उसके हाथ से डीजल की बोतल और माचिस छीन ली। इस तरह जवानों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलते ही SDM समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और महिला को शांत कराने में जुट गए। महिला की पहचान खागा तहसील क्षेत्र के हसनपुर अकोढ़िहा गांव निवासी लीलावती पत्नी शिवचरण के रूप में हुई है। महिला ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि करीब 24 साल पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के दो साल बाद वह पति के साथ अपने मायके लोधी का पुरवा गांव में रहने लगी थी। लीलावती के अनुसार, उसके छोटे भाई प्रमोद कुमार की तबीयत लंबे समय से खराब रहती थी और वह शादीशुदा नहीं था। उसके इलाज के लिए उसने समूह से 6 लाख रुपये निकालकर मदद की थी। महिला का दावा है कि मौत से पहले भाई ने स्टाम्प पेपर पर लिखापढ़ी कर अपने हिस्से का मकान उसके नाम कर दिया था, जिसमें वह पिछले 20 साल से परिवार के साथ रह रही थी। महिला ने आरोप लगाया कि बीते साल 13 नवंबर को जब वह परिवार के साथ एक कार्यक्रम में गई हुई थी, तभी उसके तीन भाइयों ने मकान का ताला तोड़कर कब्जा कर लिया।

भारतीय सेना में इतिहास रचेंगी IMA की पहली महिला कैडेट्स, 13 जून को बनेंगी लेफ्टिनेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सैन्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। 13 जून को इंडियन मिलिट्री एकेडमी, देहरादून में आयोजित होने वाली पासिंग आउट परेड में पहली बारनेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) के माध्यम से आई महिला कैडेट्स, पुरुष कैडेट्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रशिक्षण पूरा करने के बाद भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त करेंगी। करीब 8 से 9 महिला कैडेट्स इस ऐतिहासिक बैच का हिस्सा हैं, जो पासिंग आउट परेड के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त होंगी। यह पहली बार होगा जब एनडीए से प्रशिक्षण प्राप्त कर आई महिला कैडेट्स आईएमए से पास आउट होकर नियमित अधिकारी के रूप में सेना का हिस्सा बनेंगी।

पूरे प्रशिक्षण काल के दौरान इन महिला कैडेट्स ने अपने पुरुष साथियों के साथ समान मानकों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। चाहे कठिन बैटल ऑब्स्टेकल्स हों, जंगल सर्वाइवल कोर्स, सैन्य अभ्यास या शारीरिक एवं सामरिक प्रशिक्षण हो। इन्होंने हर चुनौती का सामना समान उत्साह, दृढ़ता और पेशेवर क्षमता के साथ किया। विशेष बात यह है कि भारतीय सेना में पुरुष और महिला कैडेट्स के लिए प्रशिक्षण के मानक समान हैं। इन कैडेट्स ने उन सभी सैन्य परीक्षाओं और प्रशिक्षण चरणों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिन्हें एक अधिकारी बनने के लिए आवश्यक माना जाता है।

पासिंग आउट परेड में शामिल होंगी राष्ट्रपति मुर्मु

इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु स्वयं पासिंग आउट परेड में शामिल होंगी और युवा अधिकारियों को संबोधित करेंगी। यह आयोजन न केवल भारतीय सेना में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का प्रतीक है, बल्कि सशस्त्र बलों में समान अवसर और पेशेवर उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी माना जा रहा है। इन युवा अधिकारियों की सफलता आने वाली पीढ़ियों की महिला सैन्य के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और भारतीय सेना के बदलते स्वरूप को नई पहचान देगी।

वादा पूरा करेंगे पीएम मोदी, इंतजार जारी : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू। अनंतनाग जिले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वे केंद्र सरकार से अपने वादे को पूरा करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में उमर अब्दुल्ला से कहा है कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने उमर से कहा है कि वे अपना वादा पूरा करेंगे। हम इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सिर्फ बिजनेस रूल्स ही नहीं, बल्कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी कर रही है। उनके अनुसार, राज्य का दर्जा बहाली एक ऐसा वादा है जो दुनिया के सामने किया गया था। इसी बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह फैसला 3 जून को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई पार्टी विधायकों की बैठक में लिया गया था।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है और वे इसे पूरा करने की बात कह चुके हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य दर्जे की बहाली की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

दवा की किल्लत | **कीमोथेरेपी में इस्तेमाल सिस्प्लैटिन-कार्बोप्लैटिन की बढ़ेगी कीमत**

देशभर में कैंसर की दवाएं खत्म! टाटा मेमोरियल की वो खौफनाक चेतावनी!

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कैंसर की दवाओं की कमी के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाली दो अहम दवाओं- सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन की कीमत बढ़ाने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। सरकार का कहना है कि इन दवाओं की लगातार बढ़ती कमी को देखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। माना जा रहा है कि कीमत बढ़ने के बाद दवा कंपनियों के लिए इनका उत्पादन आर्थिक रूप से अधिक व्यवहार्य होगा और बाजार में आपूर्ति सुधर सकती है।

पहली बार सरकार ने मानी दवा संकट की बात

पिछले कुछ समय से देश के कई अस्पतालों में कैंसर की अहम दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आ रही थीं। अब केंद्र सरकार के इस फैसले को इस बात की आधिकारिक स्वीकारोक्ति माना जा रहा है कि दवा की कमी वास्तविक है और तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने 7 जून को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) को पत्र भेजकर कीमत बढ़ाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने को कहा है।

क्या है पैरा 19?

सरकार ने इस मामले में ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (DPCO), 2013 के पैरा 19 का इस्तेमाल करने की मंजूरी दी है। यह एक विशेष प्रावधान है। जब सरकार को लगता है कि किसी जरूरी दवा की उपलब्धता या वहनीयता प्रभावित हो रही है, तब इस प्रावधान के तहत सामान्य मूल्य नियंत्रण नियमों से अलग फैसला लिया जा सकता है। यानी सरकार जरूरत पड़ने पर दवा की कीमतों में विशेष संशोधन की अनुमति दे सकती है। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार विभिन्न दवा कंपनियों ने कुल 82 दवा फॉर्मूलेशन की कीमत बढ़ाने की मांग की थी। इन मामलों की समीक्षा अंतर-मंत्रालयी समिति (IMC) ने की। लंबी जांच के बाद समिति ने केवल चार फॉर्मूलेशन के लिए कीमत बढ़ाने की सिफारिश की। इनमें एक कार्बोप्लैटिन इंजेक्शन, एक सिस्प्लैटिन इंजेक्शन और एंटी-टेटनस इम्युनोग्लोब्युलिन के दो फॉर्मूलेशन शामिल हैं। बाकी 78 मामलों में समिति ने अतिरिक्त जानकारी मांगी है।

टाटा मेमोरियल अस्पताल ने जताई थी चिंता

सरकारी समिति ने अपनी रिपोर्ट में मुंबई के टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल की चिंताओं का भी उल्लेख किया है। अस्पताल ने कार्बोप्लैटिन और सिस्प्लैटिन इंजेक्शन की कमी को लेकर चिंता जताई थी। ये दोनों दवाएं कई प्रकार के कैंसर के इलाज में अहम कीमोथेरेपी दवाओं के रूप में इस्तेमाल होती हैं। समिति ने माना कि इन दवाओं की निर्बाध उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

आखिर क्यों बढ़ाने पड़ रहे हैं दाम?

दवा कंपनियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन लागत काफी बढ़ गई है। विशेष रूप से एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट (API) की कीमतों में बड़ा इजाफा हुआ है। इसके अलावा कच्चे माल की लागत, विनिर्माण खर्च और विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव का भी असर पड़ा है। कंपनियों का दावा है कि मौजूदा कीमतों पर इन दवाओं का उत्पादन लंबे समय तक जारी रखना मुश्किल हो रहा है।

बढ़ सकती है कीमत?

फिलहाल अंतिम कीमत तय नहीं हुई है। फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने NPPA को कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत का विस्तृत अध्ययन करने का निर्देश दिया है। हालांकि एक समिति ने सुझाव दिया है कि पिछली मूल्य निर्धारण तिथि से प्रति वर्ष 10 प्रतिशत तक वृद्धि और अधिकतम 50 प्रतिशत की सीमा को नजीर बनाया जा सकता है। लेकिन अंतिम फैसला लागत वृद्धि के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर होगा।

मरीजों पर क्या पड़ेगा असर?

विशेषज्ञों का मानना है कि कीमत बढ़ने से इलाज की लागत कुछ हद तक बढ़ सकती है। हालांकि सरकार का तर्क है कि दवा की अनुपलब्धता, कीमत बढ़ने से कहीं बड़ी समस्या है। अगर कंपनियां उत्पादन बंद कर देती हैं या आपूर्ति घटा देती हैं तो मरीजों को इलाज में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसी वजह से सरकार ने उपलब्धता सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया, काशी में कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ बुधवार को आया, जब पीएम नरेन्द्र मोदी ने सबसे लंबे समय तक पीएम पद पर रहने का रकिार्ड अपने नाम कर लयिा। इस दौरान उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में नमामि गंगे ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से आशीर्वाद मांगा। बताया कि इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजाद भारत के इतिहास में एक निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे लंबे समय तक पद पर रहने का पंडित जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

गंगा द्वार पर आयोजित इस कार्यक्रम में नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक और नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर और राष्ट्रध्वज लेकर मां गंगा की आरती उतारी। पीएम मोदी ने 4399 दिन तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गंगा द्वार का परिसर बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के जयकारों से गूंज उठा।

गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व विकास और गरीब कल्याण को एक साथ देखा है। उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन देने, देशभर में 90 से अधिक एयरपोर्ट और 140 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने, 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घर देने, 1.45 लाख किलोमीटर सड़कें और 3000 किमी आधुनिक एक्सप्रेसवे बनाने, 50 करोड़ लोगों को ₹5 लाख का स्वास्थ्य बीमा और 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन देने जैसे कार्य किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अथक परिश्रम से इन 12 वर्षों में एक भी दिन अवकाश लिए बिना देश और देशवासियों की सेवा की है। इस आयोजन में प्रमुख रूप से नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला, ज्ञानेश्वर कुलकर्णी, राजेंद्र, गायत्री, पुरुषोत्तम देशपांडे, शिवांगी, मनीषा, प्रणीता सहित अनेक नागरिक गण शामिल रहे। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 10 जून 2026 एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लगातार पदभार संभालने वाले प्रधानमंत्री बनकर पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ नया कीर्तिमान स्थापित किया। भाजपा ने इसे केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की जनता के अटूट विश्वास, सुशासन, विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता की ऐतिहासिक स्वीकृति बताया है। केंद्र में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद संभालने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुधवार को जिला एवं महानगर में विविध सेवा, स्वच्छता, धार्मिक एवं जनजागरण कार्यक्रमों का व्यापक आयोजन किया। मंदिर में पूजन कर आशीर्वाद लिया। इन कार्यक्रमों का मार्गदर्शन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी करेंगे, जो स्वयं भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह शाम को दीपोत्सव में शामिल होंगे। यह आयोजन श्री काशी विश्वनाथ धाम में होगा। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों, प्रमुख मंदिरों, घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान और पौधारोपण कार्यक्रम हुए। जनसेवा के विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विभिन्न अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, अनाथालयों और सेवा संस्थानों में फल, दवा, वस्त्र, साबुन एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित किया गया।

इन कार्यक्रमों में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र ₹दयालु₹, राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, महापौर अशोक तिवारी, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, धर्मेंद्र सिंह, डॉ. अवधेश सिंह, सौरभ श्रीवास्तव, विधायक प्रतिनिधि अदिति पटेल, त्रिभुवन राम, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि तथा जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। सेवा कार्यक्रमों के अंतर्गत अपना घर आश्रम रोहनिया, जक्खिनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चिरईगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बड़ागांव, चोलापुर, रामनगर वृद्धाश्रम, दुर्गाकुंड वृद्धाश्रम, काशी अनाथालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल तथा आयुर्वेद कॉलेज चौकाघाट सहित विभिन्न सेवा केंद्रों पर जरूरतमंदों को सहायता सामग्री वितरित किया गया।

भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह नया कीर्तिमान भारतीय लोकतंत्र में जनविश्वास और विकास की राजनीति की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बीते 12 वर्षों में गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, किसान हित, युवा रोजगार, बुनियादी ढांचे के विकास और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य किया है।

शाहजहांपुर में चाचा बना दरिंदा, एक साल की मासूम के साथ की हैवानियत, पुलिस ने किया एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से मानवता को झकझोर देने के साथ रिश्तों को कलंकित करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक वर्ष की मासूम भतीजी को रिश्ते के चाचा ने अपनी हवस का शिकार बना डाला। इस सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मुकदमा दर्ज कर एसपी के निर्देश पर बनाई गई टीम ने आरोपी चाचा को देर रात हाफ एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया।

मामला शाहजहांपुर के खुटार थाना क्षेत्र के तहत आने वाले हरनाई गांव की है। इसी गांव के रहने वाले गुड्डू ने पड़ोस में रह रहे भाई की बच्ची के साथ दरिंदगी को अंजाम दिया। दरअसल, गुड्डू अपने पड़ोस में ही रह रहे भाई के यहां रोज आता-जाता था। बच्ची के पिता के बाबा और आरोपी के बाबा आपस में सगे भाई थे।

दरिंदगी से पहले मां बरामदे में बेटी को खिला रही थी। इसी दौरान बच्ची ने शौच कर दिया। तब मां ने बच्ची को शौच क्रिया से निवृत्त कराया और पास में ही दीवार की आड़ में लगे नल पर कपड़े धोने चली गई। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला रिश्ते में चाचा गुड्डू अपने भाई के घर पहुंचा, जहां वह बरामदे से अपनी एक वर्ष की भतीजी को उठाकर कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने लगा।

एक वर्ष की मासूम के रोने और चीखने की आवाज सुनकर मां दौड़कर कमरे में पहुंची। जहां दरिंदे गुड्डू की करतूत देखकर वह बदहवास हो गई और गुड्डू पर डंडे बरसाने लगी। आरोपी बच्ची को छोड़कर मौके से फरार हो गया। बच्ची का पिता सुबह काम पर गया था। जब पत्नी ने उसे सूचना दी और साथ ही पुलिस को भी घटना के संबंध में अवगत कराया, तो पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने एक वर्ष की बच्ची, जो गंभीर हालत में थी, उसे तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देश पर परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। देर रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी शाहजहांपुर-मैलानी बॉर्डर पर सड़क किनारे कहीं जाने की फिराक में है। पुलिस ने घेराबंदी की और जब उसे पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी गुड्डू के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसे पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

झांसा देकर महिला से ठगे चेन, सोमवार को कुड़वार कस्बे की घटना

कुड़वार/सुल्तानपुर। स्थानीय कस्बे में खरीदारी करने आए दंपति से रिश्तेदारी का झांसा देकर चेन ठग कर फरार होने का मामला सामने आया है। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच पड़ताल में जुटी है। बता दे कि सोमवार को बल्दीराय थाना क्षेत्र के सरैया माफी गांव निवासी सेवानिवृत्त सैनिक श्रीकांत तिवारी अपनी पत्नी ऊषा तिवारी के साथ स्थानीय कस्बे में खरीदारी पहुंचे थे।तभी एक युवक उनके पास मामा मामी कहते हुए पहुंच गया।बोला हमें पहचाना नहीं है हम सावित्री के लड़के बिट्टू है। फौजी को झांसे में लेकर पान खिलाने के बहाने कुछ दूर लेकर चला गया और वापस लौट कर फौजी की पत्नी से कहा कि सोनार की दुकान पर मामा बैठे है और एक चेन बनवा रहा हूं जिसे आपकी चेन के मॉडल का चाहता हूं और महिला को झांसे में लेकर चेन लेकर फरार हो गया।कुछ देर बाद जब फौजी वापस अपनी पत्नी के पास पहुंचे तो ठगी की जानकारी हुई।

ग्रामीण क्षेत्रों में लगे टावरों में चोरी करने वाले 05 अंतर्जनपदीय चोर गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बीते दो माह के बीच जिले के अलग अलग थानों से मोबाइल टावर में लगने वाले मंहगे उपकरण को चोरी कर गैर प्रांत में बेचने वाले 05 शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई। गिरफ्तार चोरों से पुलिस ने अवैध तमंचा व नगद भी बरामद किए। बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी चारु निगम ने बताया कि जिले के कोतवाली देहात, कूरेभार, अखंडनगर सहित 08 थानों में टावर में लगी कीमती उपकरण अंजना डिवाइस के चोरी होने के मामले दर्ज किए गए थे। एक ही तरह की चोरियों की शिकायत का संज्ञान लेते हुए उनके द्वारा खुलासे के लिए कई टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमें लगातार मामले के खुलासे में लगी थी इसी बीच चोरी करने वाला अंतर्जनपदीय गैग पुनः जिले में

दाखिल हुआ।यह गैंग मेरठ से लखनऊ आकर रात में रुकते थे और सुबह उठकर सुल्तानपुर ,प्रतापगढ़ व जौनपुर जिले में रेकी करते थे। रेकी करके चोरी के लिए उस जगह को चुनते थे जहां कोई सीसीटीवी कैमरे आदि न लगे हो। और चोरी की घटना को अंजाम देने के रात में सड़क किनारे निवास करके सुबह कार्टून में भरकर उपकरण को वाहनों से दिल्ली भेज देते थे। जहां इनके साथी 25 से 40 हजार में बेच देते थे। मंगलवार को पुलिस ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के कुंदा भैरवपुर सर्विस लेन के पास से चोरी करने आए 05 चोरों को एक कार समेत गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस ने02 लाख रुपए नगद व दो अवैध तमंचा भी बरामद किया।गिरफ्तार चोरों की पहचान सरफराज मलिक पुत्र अख्तर मलिक निवासी लोनी गाजियाबाद, अंकित कुमार पुत्र ओमपाल निवासी ककरौली मुजफ्फरनगर, सुहेल मलिक पुत्र बाबू मलिक , आमिर मलिक पुत्र रईसउद्दीन व अयूब पुत्र ताहिर निवासीगढ़ सैफपुर कर्मचंदपुर थाना हस्तिनापुर मेरठ के रूप में हुई। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गढ़ पहले गाजियाबाद में जेल जा चुके है अब इधर आकर घटना को अंजाम दे रहे थे। इनके अन्य साथियों की अभी तलाश चल रही है। गिरफ्तारी

हलफनामे का खेल या नक्शे की जालसाजी

» 1992 का पास नक्शा छुपाकर 2026 में फिर से स्वीकृति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। ग्राम नरायनपुर में गाटा संख्या-360/368 को लेकर बड़ा खेल सामने आया है। बिन्दु सिंह पत्नी कमलभान सिंह ने नियत प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी सदर के यहां शपथ पत्र देकर दावा किया कि संबंधित भूमि का नक्शा स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया जो 24 अप्रैल 2026 को नक्शा संख्या-173/26 के रूप में पास हो गया। लेकिन अब इसी हलफनामे पर सवालों का पहाड़ खड़ा हो गया है।

आरोप है कि गाटा संख्या-368 का नक्शा पहले ही 02 जनवरी 1992 को नक्शा संख्या-421/91 पर स्वीकृत कराया जा चुका था जिसे जानबूझकर छिपा लिया गया। इसके बाद 360 और 368 का समेकित नक्शा पास कराकर लगभग 2400 वर्गफीट क्षेत्र को वैध दिखाने की कोशिश की गयी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब गाटा संख्या-360 में मात्र 600 वर्गफीट भूमि ही क्रय की गयी थी तो फिर 2400 वर्गफीट का नक्शा आखिर किस आधार पर स्वीकृत हुआ। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस समेकित नक्शे की आड़ में खुशी पाण्डेय पुत्री स्व० श्याम नारायण पाण्डेय की डेढ़ बिस्वा जमीन पर कब्जे की तैयारी की जा रही थी। मामला अब सीधे ट.ठ.व. ।बज की धारा-7। तक पहुंच चुका है। खुशी पाण्डेय द्वारा नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र में दर्खास्त देकर नक्शा निरस्त करने और निर्माण ध्वस्त कराने की मांग की गयी है। अधिवक्ताओं का कहना है कि कानून में स्पष्ट प्रावधान है कि यदि गलत सूचना या असत्य हलफनामे के आधार पर नक्शा पास कराया गया हो तो उसे निरस्त कर निर्माण गिराया जा सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल प्रशासन से पूछा जा रहा है कि यदि 1992 में स्वीकृत नक्शे का तथ्य 30 मार्च 2026 के आवेदन में बताया गया होता तो क्या 24 अप्रैल 2026 को यह नक्शा पास होता। मामले में लेखपाल की रिपोर्ट भी संदेह के घेरे में है। 31 मार्च 2026 की रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया कि बिना भौतिक विभाजन के निर्माण किया जा रहा है। लेकिन ठीक तीन सप्ताह बाद 22 अप्रैल 2026 की दूसरी रिपोर्ट में अचानक भौतिक विभाजन की आवश्यकता ही खत्म बता दी गयी। अब गांव में चर्चा यही है कि क्या सच बदला था या फिर रिपोर्ट बदलवाई गयी। फिलहाल सबकी निगाहें नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र पर टिकी हैं कि कानून भारी पड़ेगा या प्रभाव।

हाउस, वाटर और सीवर टैक्स बकाया... बरेली के 20 हजार बकायेदारों पर एक्शन की तैयारी, संपत्तियां होंगी कुर्क

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली का नगर निगम ने हाउस टैक्स, वाटर टैक्स और सीवर टैक्स नहीं जमा करने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ अब सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। शहर में करीब 20 हजार ऐसे करदाता चिन्हित किए गए हैं, जिन्होंने लंबे समय से निगम का टैक्स जमा नहीं किया है। इन बकायेदारों पर नगर निगम का लगभग 20 करोड़ रुपये बकाया है। बार-बार नोटिस देने और चेतावनी जारी करने के बावजूद जब टैक्स जमा नहीं किया गया, तो अब निगम ने कुर्की और सीलिंग जैसी कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक पिछले कई वर्षों से कर वसूली की कोशिश की जा रही थी। बकायेदारों को समय-समय पर नोटिस भेजे गए और टैक्स जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन बड़ी

संख्या में लोगों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अब निगम प्रशासन ने ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चलाने का फैसला लिया है ताकि बकाया राजस्व की वसूली की जा सके।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पी.के। द्विवेदी ने बताया कि नगर निगम के रिकॉर्ड में करीब 20 हजार करदाता ऐसे हैं, जिन पर टैक्स बकाया चल रहा है। इनमें लगभग 4 हजार व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। इसके अलावा करीब 7 हजार ऐसे भवन हैं, जिनका उपयोग आवासीय और व्यावसायिक दोनों कार्यों के लिए किया जा रहा है। बाकी संपत्तियां सामान्य आवासीय श्रेणी में आती हैं। अधिकारियों का कहना है कि सबसे अधिक बकाया राशि व्यावसायिक और मिश्रित उपयोग वाली संपत्तियों पर है। कई प्रतिष्ठान वर्षों से कारोबार कर रहे हैं, लेकिन निगम का टैक्स समय पर जमा नहीं कर रहे हैं। इससे नगर निगम को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

नगर निगम का मानना है कि शहर के विकास, सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, जलापूर्ति और सीवर व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए टैक्स की समय पर वसूली बेहद जरूरी है। इसलिए अब बकायेदारों के खिलाफ नरमी नहीं बरती जाएगी।

वसूली के लिए बनाई गईं विशेष टीमें

बकाया कर वसूली को तेज करने के लिए नगर निगम ने विशेष टीमों का गठन किया है। ये टीमें बकायेदारों की सूची के आधार पर कार्रवाई करेंगी। पहले चरण में बड़े बकायेदारों को अंतिम नोटिस दिया जाएगा। इसके बाद भी टैक्स जमा नहीं होने पर संपत्तियों को सील करने और कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नगर निगम अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे कार्रवाई से बचने के लिए जल्द से जल्द अपना बकाया टैक्स जमा कर दें। उनका कहना है कि समय रहते भुगतान करने वाले लोगों को अनावश्यक कानूनी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नगर निगम का यह अभियान आने वाले दिनों में और तेज किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि सरकारी राजस्व की वसूली करना है ताकि शहर के विकास कार्यों के लिए जरूरी धन उपलब्ध हो सके। निगम को उम्मीद है कि इस सख्त कदम से बड़ी मात्रा में बकाया टैक्स की वसूली होगी और शहर के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

चंद्रयान और मंगलयान मिशन... बरेली में तैयार हो रहा हाईटेक साइंस पार्क, 3D तकनीक से घूमिए पूरा ब्रह्मांड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण बीडीए शहर के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात लेकर आया है। रामगंगा नगर आवासीय योजना के सेक्टर-8 में बीडीए की ओर से आधुनिक साइंस पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। करीब 130 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना आने वाले समय में बरेली को विज्ञान, शिक्षा और मनोरंजन के नए केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगी। परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है और अधिकारियों को इसे तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीडीए की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत बच्चों, छात्रों और विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अभी तक ऐसी सुविधाओं का

लाभ लेने के लिए लोगों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब बरेली में ही विज्ञान और अंतरिक्ष की दुनिया को करीब से जानने का मौका मिलेगा।

साइंस पार्क परियोजना के पहले चरण में लगभग 80 करोड़ रुपये की लागत से एक्वा पार्क और स्पेस म्यूजियम का निर्माण कराया जा रहा है। बीडीए के अनुसार, दोनों परियोजनाओं का काम शुरू हो चुका है और निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्पेस म्यूजियम में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां देखने को मिलेंगी। यहां रॉकेट, उपग्रह, मंगलयान और चंद्रयान जैसे मिशनों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके साथ ही अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़े कई रोचक तथ्यों को आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। खासतौर पर छात्रों को विज्ञान को समझने और नई चीजें सीखने का बेहतर अवसर मिलेगा। वहीं, एक्वा पार्क लोगों के मनोरंजन का प्रमुख केंद्र बनेगा। परिवार और बच्चों के लिए यहां कई आकर्षक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे यह स्थान शहर के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है।

तारामंडल में थ्री-डी शो के जरिए दिखेगा ब्रह्मांड

साइंस पार्क परिसर में प्लानेटोरियम यानी तारामंडल भी बनाया जाएगा। इसके निर्माण के लिए शासन स्तर से करीब 50 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। फिलहाल, इसकी टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

तारामंडल में आने वाले लोगों को टू-डी और थ्री-डी तकनीक के जरिए ब्रह्मांड की रोमांचक दुनिया दिखाई जाएगी। यहां ग्रहों, तारों, आकाशगंगाओं और अंतरिक्ष से जुड़ी कई जानकारियां रोचक अंदाज में प्रस्तुत की जाएंगी। दर्शक खगोलीय घटनाओं को बड़े पर्दे पर देख सकेंगे और उन्हें ऐसा अनुभव होगा जैसे वे स्वयं अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे हों।

बीडीए का मानना है कि यह परियोजना बरेली के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। विज्ञान, शिक्षा और मनोरंजन को एक साथ जोड़ने वाला यह साइंस पार्क न केवल शहर के बच्चों और युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगा, बल्कि बरेली की पहचान को भी नई ऊंचाई देगा। परियोजना पूरी होने के बाद यह स्थान आसपास के जिलों के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

बेटी बचाओ का नारा, सोशल मीडिया पर चरित्र हनन का सहारा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया पर फैलाए गए कथित भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्टों को लेकर भाजपा और उसके समर्थकों पर तीखा हमला बोला है। सपा के पूर्व विधायक अरुण वर्मा ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपते हुए सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ चलाए जा रहे कथित दुष्प्रचार अभियान पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

शिकायत में एक्स (पूर्व ट्विटर) और फेसबुक पर सक्रिय कई सोशल मीडिया हैंडल्स का नाम लेते हुए आरोप लगाया गया कि सुनियोजित तरीके से अदिति यादव की तस्वीरों का दुरुपयोग कर उन्हें एक विदेशी व्यक्ति की तस्वीर के साथ जोड़कर वायरल किया गया। साथ ही यह झूठा और मनगढ़ंत दावा फैलाया गया कि वह 7 करोड़ रुपये लेकर नाइजीरिया भाग गई हैं। अरुण वर्मा ने इन आरोपों को पूरी तरह काल्पनिक, असत्य और महिला की छवि धूमिल करने की राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग मंचों से नारी वंदन और बेटी बचाओ का नारा देते हैं, वही सोशल मीडिया पर राजनीतिक विरोधियों की बेटियों के खिलाफ अभद्र अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अयोध्या राम मंदिर चंदा घोटाले जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए भाजपा आईटी सेल इस तरह की घटिया राजनीति कर रहा है। सपा नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध स्वीकार्य है, लेकिन महिलाओं की गरिमा को निशाना बनाना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। पार्टी ने मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशभर में गूंजा विकसित भारत का संकल्प, भाजपा ने मंदिरों में किया विशेष पूजन-अर्चन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने के ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में आस्था, राष्ट्रकल्याण और विकसित भारत के संकल्प को समर्पित विशेष पूजन-अर्चन कार्यक्रम आयोजित किए। प्रदेशभर के मंदिरों में भाजपा पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पूजा-अर्चना, हवन और प्रार्थना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की निरंतर प्रगति, समृद्धि और विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की कामना की।राजधानी लखनऊ में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने हनुमान सेतु मंदिर में विधि-

विधान से पूजा-अर्चना और शिवार्चन किया। वहीं पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने पारा स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का पूजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए प्रार्थना की। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए।हनुमान सेतु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर चुका है और विभिन्न क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अंत्योदय की भावना को व्यवहार में उतारते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।उन्होंने कहा कि जनधन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का काम किया है। इन योजनाओं के माध्यम से गरीब, किसान, महिला और वंचित वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व सेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसकी बदौलत भारत आज वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर रहा है।पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व ने भारत को नई दिशा प्रदान की है। आज देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व समुदाय भारत की भूमिका को गंभीरता से स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए प्रत्येक निर्णय में राष्ट्रहित, गरीब कल्याण और भविष्य के भारत के निर्माण की सोच स्पष्ट दिखाई देती है। यही कारण है कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार उन्हें देश का नेतृत्व सौंपकर उन पर अपना विश्वास व्यक्त किया है।वहीं बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष भारत के नवजागरण, सुशासन और जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेवा, समर्पण, पारदर्शिता और राष्ट्रहित को शासन की मूल भावना बनाकर राजनीतिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा देने का कार्य किया है। गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं ने देश के विकास को नई गति प्रदान की है।धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कर्मनिष्ठा, अनुशासन, राष्ट्र प्रथम की भावना और दूरदर्शी नेतृत्व करोड़ों देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

पेपर लीक के विरोध में आम आदमी पार्टी छात्र विंग का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठाई मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के विरोध में आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई एएसएपी (एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स) ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। जीपीओ स्थित कार्यालय के निकट आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-युवा शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।प्रदर्शन का नेतृत्व छात्र विंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत ने किया। इस दौरान छात्रों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परीक्षा प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार, पेपर लीक की घटनाओं और कथित परीक्षा माफियाओं पर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि लगातार हो रही परीक्षा अनियमितताओं की नैतिक जिम्मेदारी उन्हें स्वीकार करनी चाहिए।प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अनित रावत ने कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक यह साबित करते हैं कि केंद्र और राज्य सरकारें परीक्षा प्रणाली की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि जब देश की प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण परीक्षाएं बार-बार लीक हो रही हों तो संबंधित जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 की दरोगा भर्ती परीक्षा से शुरू हुआ पेपर लीक का सिलसिला आज तक नहीं थमा है।

लखनऊ से शुरू हुआ 'सोलर ऑन व्हील्स' अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और आम उपभोक्ताओं के बीच रूफटॉप सोलर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जैक्सन सोलर ने उत्तर प्रदेश में अपने विशेष 'सोलर ऑन व्हील्स' जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। लखनऊ स्थित यूपीनेडा कार्यालय से इस अभियान को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अगले एक माह तक यह विशेष जागरूकता वाहन लखनऊ सहित आसपास के प्रमुख क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों को सौर ऊर्जा के लाभों, सरकारी सहायता योजनाओं और रूफटॉप सोलर स्थापना की प्रक्रिया की जानकारी देगा।भारत के अग्रणी ऊर्जा और अवसंरचना समाधान प्रदाता समूहों में शामिल जैक्सन ग्रुप की इस पहल का उद्देश्य उपभोक्ताओं तक स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा संबंधी जानकारी को सीधे पहुंचाना है। कार्यक्रम में यूपीनेडा और जैक्सन समूह के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अभियान की अगुवाई जैक्सन डिस्ट्रिब्यूटेड एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधांशु पोखरियाल ने की। इस अवसर पर यूपीनेडा के सचिव पंकज सिंह, जैक्सन सोलर के राष्ट्रीय खुदरा प्रमुख महेंद्र सिंह यादव तथा उत्तर प्रदेश राज्य प्रमुख प्रितेश कुमार श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।अभियान के तहत एक विशेष रूप से तैयार वाहन को सौर ऊर्जा संबंधी शैक्षणिक सामग्री, तकनीकी प्रदर्शनों और उत्पादों की जानकारी से सुसज्जित किया गया है। यह वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को रूफटॉप सोलर प्रणाली की कार्यप्रणाली, स्थापना प्रक्रिया, सरकारी सब्सिडी योजनाओं और उससे होने वाली दीर्घकालिक आर्थिक बचत के बारे में जानकारी देगा। इसके माध्यम से घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और स्थानीय समुदायों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जैक्सन डिस्ट्रिब्यूटेड एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधांशु पोखरियाल ने कहा कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने में रूफटॉप सोलर की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद जागरूकता और उपभोक्ताओं का विश्वास अभी भी इसकी व्यापक स्वीकार्यता में बड़ी चुनौती बना हुआ है। 'सोलर ऑन व्हील्स' अभियान के माध्यम से लोगों तक सही और व्यवहारिक जानकारी पहुंचाकर उन्हें सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैक्सन सोलर के लिए एक महत्वपूर्ण राज्य है और यहां सौर ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

टीबी उपचार के लिए नई दवाओं के विकास का रास्ता होगा आसान

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने क्षय रोग (टीबी) के उपचार और दवा विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ता डॉ. युसुफ अख्तर और शोधार्थी प्रज्ञा आनंद ने माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के एटीपी सिंथेज़ का एक उन्नत आभासी मॉडल विकसित किया है, जो टीबी के निदान और नई प्रभावी दवाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका जर्नल ऑफ सेल्युलर बायोकेमिस्ट्री में प्रकाशित हुआ है। बीबीएयू की शोध टीम ने राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के अंतर्गत उपलब्ध अत्याधुनिक कंप्यूटिंग संसाधनों का उपयोग करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। शोधकर्ताओं ने परम स्मृति सुपरकंप्यूटर की सहायता से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के एटीपी सिंथेज़ का एक अत्यंत जटिल और यथार्थवादी मॉडल तैयार किया।

प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व राष्ट्र की प्रगति और वैश्विक सम्मान का पर्याय : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री आज 75 वर्ष की आयु में भी अद्भुत ऊर्जा, कार्यक्षमता और समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा में निरंतर जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में 75 वर्ष की आयु को हीरक जयंती का महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण पड़ाव माना जाता है तथा ऐसे समय में भी प्रधानमंत्री का सक्रिय नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन संघर्ष, परिश्रम, त्याग और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत उदाहरण है। साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर उन्होंने अपने अदम्य साहस, दूरदर्शी सोच और मजबूत नेतृत्व क्षमता के

बल पर देश को नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि संघर्ष की आग में तपकर कुंदन बने प्रधानमंत्री ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है और आज देश आत्मविश्वास, सामर्थ्य तथा नेतृत्व क्षमता के साथ विश्व समुदाय में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, डिजिटल इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं ने गरीबों, वंचितों और जरूरतमंद वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। इन योजनाओं के माध्यम से देश में सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण को नई गति मिली है।उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, ऊर्जा सुरक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। देश आज नए आत्मविश्वास के साथ विकास की राह पर अग्रसर है और विश्व मंच पर एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व शांति, सहयोग और मानव कल्याण के सिद्धांतों का समर्थक है तथा प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया 'युद्ध नहीं, बुद्ध' का संदेश भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों की महान परंपरा को प्रदर्शित करता है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की निरंतर सेवा करते हुए सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर रहने का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। उनका नेतृत्व आज सुशासन, विकास, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक सम्मान का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि विश्व के अनेक देशों द्वारा प्रधानमंत्री को सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से सम्मानित किया जाना भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें' की भावना को आत्मसात कर राष्ट्रसेवा में निरंतर समर्पित हैं।

संक्षेप

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में बिहार से युवक गिरफ्तार, चिनहट पुलिस की कार्रवाई

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की चिनहट पुलिस ने युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी युवक को बिहार से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर युवती को सकुशल बरामद किया और आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार थाना चिनहट में 6 अप्रैल 2026 को एक महिला द्वारा अपनी पुत्री के अचानक लापता हो जाने की सूचना दी गई थी। तहरीर के आधार पर थाना चिनहट में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना महिला उपनिरीक्षक प्रियंका राठौर द्वारा की जा रही थी।प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने तत्काल युवती की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए, जिसके आधार पर टीम ने बिहार के पश्चिमी चंपारण जनपद में दबिश दी।पुलिस टीम ने 9 जून 2026 को पश्चिमी चंपारण जिले के बेतिया स्थित वार्ड नंबर चार, बंगाली टोला, बेरिया कॉलोनी क्षेत्र से युवती को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद नियमानुसार उसके बयान दर्ज किए गए।

निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबी अवधि का कीर्तिमान स्थापित करने पर मुख्यमंत्री योगी ने दी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार सबसे लंबे समय तक देश की सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश की 145 करोड़ जनता के प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास, स्नेह और समर्थन की सामूहिक अभिव्यक्ति है।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 4399 दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक इस पद पर बने रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर संदेश जारी कर प्रधानमंत्री के नेतृत्व, कार्यशैली और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की सराहना की।मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 145 करोड़ भारतवासियों की सेवा, सुरक्षा और समृद्धि के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के मामले में आरोपी बिहार से गिरफ्तार

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की चिनहट पुलिस ने बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि मामले में नामजद दूसरे आरोपी के खिलाफ साक्ष्य संकलन का कार्य जारी है।पुलिस के अनुसार थाना चिनहट में 20 जनवरी 2026 को एक व्यक्ति द्वारा अपनी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्काल विशेष पुलिस टीम गठित कर बालिका की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।जांच के दौरान पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए 25 जनवरी 2026 को ऐशबाग रेलवे स्टेशन, लखनऊ से बालिका को सकुशल बरामद कर लिया था। इसके बाद नियमानुसार उसके बयान दर्ज किए गए। जांच और बयान के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में दुष्कर्म तथा पॉक्सो अधिनियम की धाराएं भी बढ़ाई गईं।

पेड़ से लटका मिला व्यक्ति का शव, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

लखनऊ। बीकेटी क्षेत्र में बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव आम के पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के परिजनों ने हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह लगभग 5:18 बजे ईको कंट्रोल रूम लखनऊ से थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।प्रारंभिक जांच में पता चला कि कुलदीप सिंह (45 वर्ष) निवासी बीकामऊ खुर्द, थाना बीकेटी, अपने घर के पास स्थित जमीन पर एक आम के पेड़ से साड़ी के फंदे के सहारे लटके मिले।

साइबर सेल की बड़ी सफलता, 15 लाख रुपये कीमत के 65 खोए मोबाइल बरामद कर स्वामियों को लौटाए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की दक्षिणी जोन साइबर सेल ने आम नागरिकों के खोए हुए मोबाइल फोन बरामद करने के अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए विभिन्न जनपदों और राज्यों से 65 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंप दिए। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई और उन्होंने लखनऊ पुलिस तथा साइबर सेल की कार्यशैली की सराहना की।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देश पर नागरिकों के खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर)

पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन गुमशुदगी से संबंधित मामलों का तकनीकी विश्लेषण कर उन्हें खोजने का कार्य किया जा रहा है।बुधवार को पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनंद के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार के निर्देशन में साइबर सेल, दक्षिणी जोन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए। इस अभियान में दक्षिणी जोन के सभी थानों पर गठित साइबर हेल्प डेस्क की टीमों का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।पुलिस अधिकारियों के अनुसार सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से विभिन्न व्यक्तियों के गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस किया गया। जांच के दौरान इन मोबाइल फोन की लोकेशन प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी पाई गई। इसके बाद संबंधित थानों और साइबर टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर मोबाइल फोन को बरामद किया गया।मोबाइल फोन बरामद होने के बाद उनके वास्तविक स्वामियों का सत्यापन कर उन्हें पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा विधिवत सुपुर्द किया गया। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल दोबारा मिल पाएगा, लेकिन लखनऊ पुलिस की सक्रियता और तकनीकी दक्षता के कारण उन्हें अपना मोबाइल वापस मिल गया। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए 65 मोबाइल फोन विभिन्न कंपनियों के हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये है। यह कार्रवाई साइबर अपराधों और तकनीकी मामलों में पुलिस की बढ़ती दक्षता का भी प्रमाण है।कमिश्नरेट पुलिस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक दक्षिणी जोन की साइबर सेल द्वारा कुल 119 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं।

पुलिस की सतर्कता से भटकी बालिका परिवार से मिली, परिजनों ने जताया आभार

लखनऊ। राजधानी के अहिमामऊ क्षेत्र में पुलिस की सतर्कता और संवेदनशील कार्यशैली के चलते घर से नाराज होकर निकली एक बालिका को सकुशल उसके परिजनों से मिलवा दिया गया। देर रात चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को बालिका लावारिस अवस्था में घूमती हुई मिली थी। पूछताछ और त्वरित कार्रवाई के बाद पुलिस ने उसके परिवार से संपर्क स्थापित कर बालिका को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया। बालिका के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।पुलिस के अनुसार 9 और 10 जून की मध्यरात्रि लगभग एक बजे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अहिमामऊ चौराहे पर ई-रिक्शा, टेम्पो तथा संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की जा रही थी। इसी दौरान अहिमामऊ चौराहे के निकट सुल्तानपुर रोड पर एक बालिका अकेले घूमती हुई दिखाई दी।

कुकरैल नदी के कायाकल्प से लेकर नागरिक सुविधाओं तक नगर निगम सक्रिय, नगर आयुक्त ने विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शहर में स्वच्छता, जल निकासी, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने विभिन्न विकास कार्यों की गति तेज कर दी है। इसी क्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को कुकरैल नदी, मनोरथा गौशाला, नालों, सीवर व्यवस्था तथा विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं का व्यापक निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम की प्राथमिकता केवल योजनाओं को शुरू करना नहीं, बल्कि उन्हें तय समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।नगर आयुक्त ने सबसे पहले कुकरैल नदी का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने समता मूलक चौराहे से खुर्रम नगर चौराहे तक नदी

के दोनों किनारों का भ्रमण कर सफाई एवं संरक्षण कार्यों की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान नदी में जमा प्लास्टिक, जलकुंभी और अन्य अपशिष्ट पदार्थों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुकरैल नदी केवल एक जलधारा नहीं बल्कि शहर की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर है, जिसके संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाना आवश्यक है।

नगर आयुक्त ने जोन-3, जोन-4 तथा जोन-7 की टीमों को नदी के दोनों किनारों पर वृहद सफाई अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यदायी संस्था एलएसए के सहयोग से नदी के आसपास सौंदर्यीकरण संबंधी गतिविधियां भी तेज करने को कहा गया। उन्होंने चीफ इंजीनियर मनोज प्रभात को निर्देशित किया कि नदी के भीतर जमा फ्लोटिंग मटेरियल तथा अन्य अपशिष्टों को तत्काल हटाया जाए ताकि जल प्रवाह बाधित न हो और नदी का प्राकृतिक स्वरूप संरक्षित रह सके।कुकरैल नदी के निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त मनोरथा गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने निर्माणाधीन सड़क, शेड और बाउंड्री वॉल के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य 20 दिनों के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। इसके लिए थर्ड पार्टी जांच कराए जाने के निर्देश भी दिए गए, जिससे कार्यों की पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।निरीक्षण के अगले चरण में नगर आयुक्त ने जोन-7 के सेक्टर-8 स्थित सुषमा हॉस्पिटल के निकट नाले की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष बेरोजगारी, महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण के लिए याद किए जाएंगे : अजय

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जिन 12 वर्षों को उपलब्धियों का स्वर्णिम काल बताकर उत्सव मना रही है, वास्तव में वही अवधि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था की अव्यवस्था, आर्थिक विषमता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोर होती साख के लिए याद की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने और जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए उपलब्धियों का प्रचार कर रही है।बुधवार को जारी बयान में अजय राय ने कहा कि यदि केंद्र सरकार के 12 वर्षों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाए तो सबसे अधिक नुकसान देश के युवाओं और छात्रों को हुआ है। उन्होंने कहा कि रोजगार और बेहतर भविष्य के सपने देखने वाले करोड़ों युवाओं को ऐसी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था मिली, जहां लगातार पेपर लीक की घटनाओं ने उनकी मेहनत और उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर में 90 से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए, जबकि अकेले उत्तर प्रदेश में दो दर्जन से अधिक भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाएं प्रभावित हुईं। इससे लाखों युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया और सरकार निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने में विफल रही।

बेगुनाह जिंदगियों से खेलता भ्रष्ट तंत्र और दिल्ली के अंतहीन अग्निकांड

पिछले दिनों दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि हमारे यहां हादसे अचानक नहीं होते बल्कि उन्हें पैदा किया जाता है। 21 लोगों की दर्दनाक मौत, दर्जनों घायल, धुएं में घुटती सांसें, तीसरी मंजिल से जान बचाने के लिए छलांग लगाते लोग और बेसमेंट के बाहर बंद पड़ा निकास द्वार, यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्ट व्यवस्था और नियमों की खुलेआम हत्या का भयावह परिणाम था। दुखद यह है कि यह कोई नई कहानी नहीं है। दिल्ली बार-बार अग्निकांडों में जलती है, लोग बार-बार मरते हैं, जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। मालवीय नगर के हादसे में जो शुरुआती तथ्य सामने आए, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाले थे। जिस भवन में 'लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट' और 'मिकासा होम्स' संचालित हो रहे थे, वहां कथित रूप से छह कमरों की अनुमति के बावजूद 25 से अधिक कमरे बनाए गए थे। भवन से निकलने का केवल एक रास्ता था। बेसमेंट में लोगों की मौजूदगी के बावजूद बाहरी गेट पर ताला लगा था। आग लगने के बाद धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोग बाहर निकल ही नहीं सके। कुछ लोगों ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश की। यह दृश्य 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड की भयावह यादों को फिर से ताजा कर गया, जहां बाहर निकलने के रास्ते बंद होने के कारण 59 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली में अग्निकांडों का इतिहास बताता है कि हर बड़ी त्रासदी के पीछे कहानी लगभग एक जैसी है, अवैध निर्माण, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, भ्रष्टाचार, फर्जी प्रमाणपत्र, बंद निकास द्वार और प्रशासनिक लापरवाही। 13 जून 1997 को हुए उपहार सिनेमा अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हुई थी, जो दिल्ली का अब तक का सबसे भयावह अग्निकांड माना जाता है। आग लगने के बाद सिनेमा हॉल में धुआं भर गया और निकास मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। पूरे देश को झकझोर देने वाले इस हादसे के बाद सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने की बातें तो बहुत हुई लेकिन वास्तविकता यही है कि उनसे कोई स्थायी सबक नहीं लिया गया। 31 मई 1999 को लाल कुआं स्थित केमिकल गोदाम में लगी आग में 57 लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी अवैध गोदामों और रासायनिक इकाइयों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया गया। 8 दिसंबर 2019 को अनाज मंडी की अवैध फैक्टरी में लगी आग में 43 लोगों की मौत हुई। उस समय भी खुलासा हुआ था कि इमारत में निकास के पर्याप्त रास्ते नहीं थे, सीढ़ियां सामान से भरी थी और खिड़कियों पर लोहे की ग्रिलें लगी थी। जहरीले धुएं ने मजदूरों को सोते हुए ही मौत की नींद सुला दिया।

12 फरवरी 2019 को करोल बाग के अर्पित पैलेस होटल में लगी आग में 17 लोगों की जान गई। जांच में सामने आया कि होटल में अवैध निर्माण हुआ था और सुरक्षा उपकरण पर्याप्त नहीं थे। 2022 में मुंडका की व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 27 लोगों की मौत हुई। वहां भी केवल एक निकास मार्ग था और सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई थी। उसी वर्ष गोकुलपुरी की झुग्गी बस्ती में आग से 7 लोगों की जान चली गई। 2024 में अलीपुर की अवैध पेंट फैक्टरी में लगी आग में 11 लोगों की मौत हुई। 2026 में पालम और विवेक विहार में हुए अग्निकांडों में नौ-नौ लोगों की जान गई। अब मालवीय नगर की त्रासदी ने मृतकों की सूची में 21 और नाम जोड़ दिए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2026 से 27 मई 2026 तक आग की घटनाओं में 45 लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद विवेक विहार और मालवीय नगर की घटनाओं को जोड़ दें तो यह संख्या 67 से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं बल्कि उन परिवारों की बर्बादी का दस्तावेज है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी इमारतें बन कैसे जाती हैं? कैसे आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चलने लगती हैं? कैसे छह कमरों की अनुमति वाले भवन में 25 कमरे बन जाते हैं? कैसे फायर एनओसी के बिना होटल, रेस्टोरेंट और फैक्ट्रियां वर्षों तक संचालित होती रहती हैं? कैसे चार मंजिल की अनुमति वाले क्षेत्र में छह-सात मंजिलें खड़ी हो जाती हैं? इन सवालों का जवाब किसी जांच आयोग की मोटी रिपोर्ट में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की उस जड़ में छिपा है, जिसने पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। यदि कोई अवैध इमारत बनती है तो वह एक दिन में नहीं बनती। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें उठती हैं, मंजिलें तैयार होती हैं, बिजली के कनेक्शन लगते हैं, पानी के कनेक्शन मिलते हैं और फिर व्यापार शुरू होता है। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक सरकारी विभागों की आंखों के सामने सब कुछ होता है। इसलिए यह कहना कि प्रशासन को जानकारी नहीं थी, वास्तविकता से आंखें मूंदना होगा।

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिवप्रकाश

सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है ।

देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है।

आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता। 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं। 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी।

सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु नो मनी फॉर टेरर जैसे कड़े कदम , एफएटीएफ के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया। 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है ।

इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं। 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए। 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया 7 अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है।

घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं । भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए डिटेक्ट , डिलीट , डिपोर्ट नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है। सीमा की निगरानी को सख्त किया है। बंगाल भाजपा विजय के पश्चात बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं। 15,106 किलोमीटर सीमा सोती रेखा से जागती दीवार लक्ष्य में लेज़र वॉल, वाइब्रेशन सेंसर, नाइट विज़न कैमरा का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49 त्न बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ निर्धारित किया गया है।

अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करोड़ रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा। भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है। डीसीवाईए (डिफेंस साइबर एजेंसी) एवं आई4सी के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है । देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्त्रोत ड्रग्स के गैर कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है। 2024 में ही 25,330 करोड़ रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है।

सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गाँव में बसे ग्रामीणों का रहता है। उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, ये अंतिम गाँव नहीं, भारत माँ के प्रथम गाँव है। वीवीपी (वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम) फेज 1 -2 के अंतर्गत 4121 गाँवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क (ऑल-वेदर रोड), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। 2023 में लालकिला के मैदान में 600 सीमावर्ती गाँवों के सरपंचों की सहभागिता ने सीमा एवं दिल्ली का संगम कर दिया है।

अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था । इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं । आईपीसी, सीआरपीसी की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई है। राजपथ अब कर्तव्यपथ, 7 रेस कोर्स रोड-7 लोक कल्याण मार्ग , प्रधानमंत्री कार्यालय - सेवा तीर्थ एवं राजभवन - लोकभवन हो गए हैं ।

टिप्पणी

उलझते जाने के ही संकेत

अमेरिका और इजराइल ने जो युद्ध शुरू किया, उसके और उलझते जाने के ही संकेत हैं। इससे फिर यह जाहिर हुआ है कि युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन उससे निकलना हमलावर देश के भी हाथ में नहीं रह जाता।

डॉनल्ड ट्रंप ईरान के लिए अश्लील गाली-गलौच की हद तक उतर आए हैं। ऐसी धमकियां तो वे पहले से दे रहे हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय संधियों और नियमों के तहत युद्ध अपराध माना जाएगा। बहरहाल, रविवार को ईरान को नेस्तनाबूद करने की धमकी देने के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने ये कथित राज़ भी खोला कि ईरान से अच्छी बातचीत हुई है, जिससे युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। मगर ऐसे बयान इतनी बार दोहराए गए हैं कि उनसे अमेरिका के शेयर बाजारों का भी भरोसा टूटने लगा है, जिन्हें संभाले रखने की कोशिश में ट्रंप का अंदाज बेहद गरमाने के बाद उतनी ही तेजी से ठंडा हो जाता है!

इस बीच अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर जो युद्ध शुरू किया, उसके और उलझते जाने के ही संकेत हैं। इससे फिर ये बात जाहिर हुई है कि युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन उससे निकलना हमलावर देश के भी हाथ में नहीं रह जाता। युद्ध का अपना गतिशास्त्र होता है और उसने मौजूदा लड़ाई को अपने तर्कजाल में फंसा लिया है। इस दौरान ईरान में बड़े पैमाने पर बर्बादियां हुई हैं, मगर अमेरिका को हुए नुकसान को देखकर दुनिया चकित है। ईरान के इस्फहान इलाके में मार गिराए गए एफ-16 विमान के पायलट को बचाने की कोशिश में अमेरिका को अनेक विमान और हेलीकॉप्टरों का नुकसान झेलना पड़ा।

उससे संकेत मिला कि ईरान पर जमीनी हमला करना कितना जोखिम भरा होगा। जबकि ऐसे हमले के बिना ईरान को परास्त करना हर रोज अधिक कठिन नज़र आने लगा है। इस बीच अमेरिकी मीडिया में अमेरिका को हो रहे सैन्य एवं आर्थिक नुकसानों की खबरें सुर्खियों में हैं। युद्ध शुरू करने के पीछे ट्रंप परिवार और उनके मंत्रियों के निहित स्वार्थ की चर्चाएं भी खुलकर हो रही हैं। नतीजा है देश के अंदर इस युद्ध का लगातार अधिक अलोकप्रिय होते जाना। इसके दबाव में ट्रंप युद्ध से निकलने का ऐसा तरीका चाहते हैं, जिसे वे अपनी जीत बता सकें। मगर ईरान का नेतृत्व उन्हें ऐसा रास्ता मुहैया कराने को तैयार नहीं है। इससे व्यग्र हुए ट्रंप ने भाषा की शालीनता भी छोड़ दी है।

ब्लॉग

परिवर्तन के 12 वर्ष: विकास, विरासत और वैश्विक नेतृत्व

डॉ. शिवानी कटारा

पिछले 12 वर्षों में भारत ने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक परिवर्तनों का एक नया युग देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास ने केवल गति ही नहीं, बल्कि नई दिशा और नई चेतना भी प्राप्त की। आर्थिक सुधारों से लेकर डिजिटल क्रांति, राष्ट्रीय सुरक्षा से सामाजिक समावेशन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण तक भारत ने आत्मनिर्भरता, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर उल्लेखनीय यात्रा तय की है। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ प्रारंभ हुई यह यात्रा आज "विकसित भारत 2047" के व्यापक राष्ट्रीय संकल्प में रूपांतरित होती दिखाई देती है।

मोदी सरकार की शुरुआती और सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में वर्ष 2014 का "मेक इन इंडिया" अभियान प्रमुख रहा, जिसने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा प्रदान की। घरेलू उत्पादन, विदेशी निवेश और सरल नियमों के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा निर्माण और मोबाइल उत्पादन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इससे रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिली। इसी दौरान "अंत्योदय" के संकल्प के तहत आर्थिक समावेशन पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2015 में शुरू हुई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं को बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार और ग्रामीण उद्यमिता को नई पहचान दी। 6.3 करोड़ से अधिक MSME उद्यमों को सहायता मिली। वहीं, जन धन योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें 30.80 करोड़ खाते महिलाओं के नाम हैं। 36.73 करोड़ ग्रामीण खातों के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन अभियान बना। वर्ष 2017 में लागू GST को स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में माना जाता है। अनेक अप्रत्यक्ष करों को हटाकर "एक राष्ट्र, एक कर" की अवधारणा को मजबूत किया गया, जिससे पारदर्शिता बढ़ी, कर आधार विस्तृत हुआ और राजस्व संग्रह अधिक व्यवस्थित बना। IMF के अनुसार भारत का GDP वर्ष 2014 के लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 4.18 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। भारत जापान को पीछे छोड़ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि Economic Survey 2025-26 ने FY26 में 7.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

कोविड के बाद "आत्मनिर्भर भारत" अभियान आर्थिक रणनीति का केंद्र बना। Production Linked Incentive (PLI) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, टेलीकॉम और ऑटोमोबाइल सहित 14 रणनीतिक क्षेत्रों को बढ़ावा मिला, जिससे 5.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ। Ease of Doing Business, GST सुधार और डिजिटल पारदर्शिता के कारण 2025-26 में रिकॉर्ड 94.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। वहीं, नोटबंदी ने अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद डिजिटल भुगतान, औपचारिक अर्थव्यवस्था तथा काले धन, नकली मुद्रा और आतंक वित्तपोषण पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। वहीं, योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना ने सहकारी संघवाद, तकनीक-आधारित शासन और प्रशासनिक दक्षता को नई मजबूती प्रदान की।

डिजिटल इंडिया अभियान ने पिछले दशक में भारत की आर्थिक और तकनीकी तस्वीर को व्यापक रूप से बदल दिया। भीम ऐप, आधार और UPI जैसी पहलों ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाया, जहाँ आज विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। UPI कई देशों में सक्रिय है, जबकि IMPS और FASTag ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को और गति दी। DBT, ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल पारदर्शिता ने सरकारी योजनाओं में लीकेज कम किए तथा लाभार्थियों तक सहायता सीधे पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया।

स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसी पहलों ने उद्यमिता को नई ऊर्जा प्रदान की। इन योजनाओं ने युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों को रोजगार खोजने वालों से रोजगार सृजित करने वालों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना ने पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और डिजिटल बाज़ार से जोड़कर नई पहचान प्रदान की।

सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ, जबकि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध हुई। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान ने बालिका शिक्षा, सुरक्षा और जागरूकता को राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप दिया। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों गरीब महिलाओं को धुएँ से मुक्ति दिलाकर स्वच्छ ईंधन, बेहतर स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन की नई दिशा दी। "तीन तलाक" प्रथा पर रोक लगाकर मुस्लिम महिलाओं को समानता, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की नई सुरक्षा प्रदान की गई।

कृषि क्षेत्र में PM-KISAN योजना के माध्यम से 11 करोड़ किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की प्रत्यक्ष सहायता दी गई। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में पीएम गति शक्ति योजना के तहत 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया। 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कें तथा तीव्र गति से विस्तारित राष्ट्रीय राजमार्गों ने देश की कनेक्टिविटी को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। नए हवाई अड्डों के निर्माण और 'उड़ान' योजना ने देश की हवाई कनेक्टिविटी का अभूतपूर्व विस्तार किया, जबकि वंदे भारत और तेजस जैसी आधुनिक ट्रेनों ने भारतीय रेल के आधुनिकीकरण को नई गति दी।

शिक्षा क्षेत्र में 2014 के बाद 1,200 से अधिक नए विश्वविद्यालय, 10 नए IIT तथा 7 नए IIM स्थापित किए गए। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर सामाजिक न्याय के दायरे का विस्तार किया गया, जिससे आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को शिक्षा और रोजगार में नए अवसर प्राप्त हुए। नई शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल-आधारित और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया। "स्किल इंडिया मिशन" और "प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना" के माध्यम से युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2025 तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है। AI, 5G, ड्रोन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में 400 से अधिक आधुनिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। इंडिया AI मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन ने भारत को भविष्य की प्रौद्योगिकियों का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया। नई दिल्ली में आयोजित AI Impact Summit ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका को और सुदृढ़ किया। वहीं, "खेलो इंडिया" अभियान ने युवाओं में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा दी। 2025 के खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 10,000 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी ने भारत की उभरती खेल प्रतिभा और "फिट इंडिया" विज़न को और मजबूत किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में मोदी सरकार ने अधिक स्पष्ट, आक्रामक और निर्णायक नीति अपनाई। उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक ने आतंकवाद के प्रति भारत की कठोर रणनीति को विश्व के सामने स्थापित किया। "ऑपरेशन सिंदूर" में भारतीय वायुसेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर की गई सटीक कार्रवाई ने भारत की सामरिक क्षमता का परिचय दिया। "अग्निपथ योजना" ने युवाओं को सेना से जोड़ते हुए सशस्त्र बलों को अधिक युवा और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में पहल की। वहीं, वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राष्ट्रीय एकीकरण और विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया। नक्सली हिंसा का खात्मा और 'रेड कॉरिडोर' के सिमटने से नक्सल-मुक्त भारत के लक्ष्य की प्राप्ति हुई। सुरक्षा और विकास की समन्वित रणनीति ने प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक पहुँच, आधारभूत सुविधाओं और जनविश्वास को मजबूत किया। इसी अवधि में भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत के पुनर्जागरण को नई ऊर्जा मिली। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, गौतम बुद्ध सर्किट, केदारनाथ पुनर्विकास और सोमनाथ मंदिर परिसर के आधुनिकीकरण ने आध्यात्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाया। राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' के राष्ट्रप्रेरक स्वरूप को रेखांकित करते हुए राष्ट्र गान के समानांतर दर्जा दिया गया। नया संसद भवन आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का प्रतीक बनकर उभरा। वहीं, डॉ. भीमराव आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, राष्ट्र प्रेरणा स्थल और प्रधानमंत्री संग्रहालय जैसे संस्थानों ने भारत की ऐतिहासिक विरासत, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय गौरव को नई मजबूती दी।

अंतरिक्ष क्षेत्र में भी भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कीं। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना, जबकि मंगलयान मिशन ने भारत को सबसे कम लागत में मंगल तक पहुँचने वाले देशों की अग्रणी श्रेणी में स्थापित किया। वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका पिछले वर्षों में लगातार सशक्त हुई है। सफल G20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी और "ग्लोबल साउथ" की प्रभावशाली आवाज़ के रूप में भारत ने नई पहचान बनाई। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक बना। वहीं, "वैक्सीन मैत्री" अभियान के तहत 100 से अधिक देशों को कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराकर भारत ने वैश्विक मानवीय सहयोग और जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

अतः, मोदी सरकार के 12 वर्ष भारत के "अमृत काल" की मजबूत आधारशिला के रूप में उभरे हैं। "विकसित भारत 2047" का विज़न केवल आर्थिक प्रगति का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह एक समावेशी, तकनीक-सक्षम, सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण का व्यापक संकल्प है। मतभेदों के शोर से परे, परिवर्तन की यह यात्रा स्वयं साक्षी है कि बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, विरासत और वैश्विक नेतृत्व की एक नई गाथा रची है।

वेतन के साथ पेंशन ले रहा था... ग्रेच्युटी भी ली, गाजीपुर के सरकारी स्कूल के टीचर ने कैसे किया फर्जीवाड़ा?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में सामने आए चर्चित तदर्थ शिक्षक पेंशन घोटाले में अब बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर समय से पहले पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ लेने वाले शिक्षकों के खिलाफ दर्ज मुकदमे के बाद प्रशासन ने सरकारी पैसों की रिकवरी की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में एक आरोपी शिक्षक के खाते से 7 लाख रुपये सरकार के खाते में वापस जमा कराए गए हैं।

यह मामला बिरनो ब्लॉक के रुहीपुर गांव स्थित गंगा प्रसाद राम प्रसाद यादव इंटर कॉलेज से जुड़ा है। जांच में सामने आया था कि विद्यालय से जुड़े 13 शिक्षकों ने कथित तौर पर फर्जी भुगतान आदेश (पीपीओ) और फेक दस्तावेजों का इस्तेमाल कर पेंशन एवं ग्रेच्युटी का लाभ लिया। आरोप है कि इन शिक्षकों ने मिलकर करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की सरकारी राशि प्राप्त कर ली थी।

रिकवरी की कार्रवाई तेज

अब ट्रेजरी विभाग के निर्देश पर रिकवरी की कार्रवाई शुरू हो गई है। इसी कड़ी में भटौली परमेठ निवासी शिक्षक दुबरी सिंह यादव के बैंक खाते में जमा 7 लाख रुपये वापस सरकारी खाते में जमा करा दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि अन्य आरोपी शिक्षकों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दौरान एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया था। आरोपित शिक्षकों में एक ऐसा शिक्षक भी शामिल था, जो नियमित रूप से विद्यालय में नौकरी कर रहा था और वेतन प्राप्त कर रहा था, लेकिन इसके साथ-साथ पेंशन का लाभ भी उठा रहा था। इस खुलासे ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया।

विद्यालय के प्रबंधक रामवृक्ष यादव ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वाराणसी मंडल के उप शिक्षा निदेशक द्वारा की गई जांच में यह पाया गया कि संबंधित शिक्षकों ने कथित रूप से फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पेंशन एवं ग्रेच्युटी प्राप्त की थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

कैसे हुआ खुलासा?

घोटाले का खुलासा तब हुआ जब वर्ष 2018 में दिवंगत हुए शिक्षक हरिद्वार राम की पत्नी प्रमिला देवी को पारिवारिक पेंशन नहीं मिली। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि उनके पति के साथ कार्यरत कुछ शिक्षकों को पेंशन मिल रही है, जबकि उन्हें लाभ नहीं दिया जा रहा। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। जांच में पता चला कि जिन पीपीओ नंबरों के आधार पर कुछ शिक्षक पेंशन ले रहे थे, वे नंबर पहले से अन्य पेंशनभोगियों के नाम पर जारी थे। इससे स्पष्ट हो गया कि फर्जी पीपीओ नंबरों और दस्तावेजों के माध्यम से सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया गया। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की गहन जांच कर रहे हैं और अन्य आरोपितों से भी रकम की वसूली की प्रक्रिया जारी है।

किसान खेत मजदूर संगठन ने किया प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलक्ट्रेट परिसर में भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन ने बुधवार को केंद्र सरकार के खिलाफ देशव्यापी संघर्ष का ऐलान किया। संगठन ने अपनी मांगों को लेकर भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी सौंपा है। संगठन के नेता राजनाथ यादव ने बताया कि केंद्र सरकार ने 2020 में तीन कृषि कानून पारित किए थे, जिनका व्यापक विरोध हुआ था। संयुक्त मोर्चा के ऐतिहासिक आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री को ये कानून वापस लेने पड़े थे। किसानों ने दिसंबर 2020 में सशर्त आंदोलन वापस लिया था। हालांकि, संगठन का आरोप है कि केंद्र सरकार ने अपने वादों पर अमल नहीं किया, जिससे किसानों में असंतोष बढ़ रहा है। इसी कारण अब देशव्यापी संघर्ष का निर्णय लिया गया है। संगठन ने राष्ट्रपति से अपनी शक्तियों का उपयोग कर किसानों को न्याय दिलाने का आग्रह किया है। गठन की प्रमुख मांगों में एमएसपी कानून को तुरंत लागू करना और खरीद सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही, खाद, बीज और डीजल की पर्याप्त आपूर्ति रियायती दरों पर करने की मांग की गई है। किसानों ने बिजली संशोधन विधेयक 2021 को वापस लेने और स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने की भी अपील की है।अन्य मांगों में किसानों और मजदूरों के सभी कर्ज माफ करना तथा मुफ्त बिजली प्रदान करना शामिल है। संगठन ने चार लेबर-कोड बिलों को वापस लेने और मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन 30,000 रुपये लागू करने की भी मांग की है, ताकि कम वेतन और बढ़ती महंगाई से निपटा जा सके। जेल में बंद मजदूरों पर लगे फर्जी मुकदमे वापस लेकर उन्हें ससम्मान रिहा करने की बात भी कही गई है।

100 कुंतल से अधिक प्लास्टिक तालाबों से निकाला

जौनपुर। जिला पंचायत राज अधिकारी ने अवगत कराया है कि केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में समेकित जन कल्याण एवं जन-जनजागरूकता अभियान के तहत विशेष जन सम्पर्क एवं जन जागरूकता अभियान 08 जून से 14 जून तक संचालित है। 10 जून को समस्त ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा की बैठक आहूत कर अभियान के तहत मलिन बस्तियों में संवाद तथा सरकार आपके द्वार स्वरूप में जन समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। मलिन बस्तियों में खुली बैठक कर उपस्थित नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं को सुना गया एवं उसके निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की गयी। सर्वाधिक अस्वच्छ सार्वजनिक स्थलों को चिन्हित कर सफाई का कार्य तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के निस्तारण हेतु विशेष अभियान चला कर प्लास्टिक मुक्त तालाब अभियान के तहत तालाब को प्लास्टिक मुक्त करते हुए सुन्दरीकरण का कार्य कराया गया।

दुल्हा हत्या काण्ड में गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में भारतीय मानव समाज पार्टी ने दूल्हे आजाद बिंद की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने और गाजीपुर में कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर मामले में प्रदर्शन किया। पार्टी ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा, जिसमें दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। संगठन ने बताया कि जौनपुर में बीते 1 मई को बारात ले जा रहे दूल्हे आजाद बिंद की हत्या कर दी गई थी। घटना के काफी समय बाद भी प्रशासन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में विफल रहा है। पार्टी ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने, फरार दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। गाजीपुर में कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पीड़ित परिवार और समाज ने पुलिस

मुठभेड़ की कार्यशैली और मुठभेड़ के समय पर संदेह व्यक्त किया है। पार्टी का कहना है कि जब संविधान में आत्मसमर्पण और निष्पक्ष मुकदमे की व्यवस्था है, तो ऐसी पुलिस कार्रवाई संदेह पैदा करती है। मुख्य मांगों में जौनपुर हत्याकांड के फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाना शामिल है। इसके साथ ही, गाजीपुर पुलिस मुठभेड़ की निष्पक्ष केंद्रीय एजेंसी (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की गई है।पार्टी ने पीड़ित परिवारों को सुरक्षा और उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान करने की भी अपील की है। पार्टी ने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि वे इन मामलों का संज्ञान लेकर राज्य सरकार को उचित कदम उठाने के निर्देश दें ताकि न्याय सुनिश्चित हो सके।

निर्वाचक नामावली का हुआ अन्तिम प्रकाशन

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) सैमुअल पॉल एन. ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्र के समस्त मतदाताओं को अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जनपद के पंचायत निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन उ0प्र0 पंचायत राज (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 में निर्धारित प्रपत्र-7 पर 10 जून को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विकास खण्ड कार्यालय एवं सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय (यथा ग्राम पंचायत का पंचायत घर, विद्यालय भवन, साधन सहकारी समिति का भवन या सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन आवंटित उचित मूल्य की दुकान, आंगनबाड़ी केन्द्र तथा अन्य कोई सार्वजनिक भवन जो इस निमित्त जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत का कार्यालय घोषित किया गया हो) पर कर दिया गया है।

'जिंदा रहने है तो रिश्ता खत्म कर दो', मिल रही थी धमकी ; प्रेम विवाह करने वाले युवक के कत्ल की पूरी कहानी

रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुट गई है। गठित टीम ने देर शाम शामली पहुंचकर दबिश दी लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चला है।

अभिनंदन सिंह, एसएसपी

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर में पुलिस भर्ती परीक्षा देने आई आकांक्षा के पति शिवकुमार की हत्या कर दी गई, जिस समय घायल शिवकुमार को जिला अस्पताल लाया गया, तब उसकी पत्नी बिलख-बिलखकर कह रही थी कि उसका घर उजाड़ दिया। आकांक्षा ने आरोप लगाया कि उसका भाई और परिवार के अन्य लोग लगातार धमकी दे रहे थे कि जिंदा रहना है तो शिवकुमार के साथ रिश्ता खत्म कर दो। आकांक्षा ने दावा किया कि हमलावर उसे भी मारना चाहते थे। उनकी कार चारों तरफ से घेर ली थी, लेकिन किसी तरह वह बच गई।

शिवकुमार और उसकी पत्नी आकांक्षा एक गांव के रहने वाले हैं। आकांक्षा ने बताया कि 2020 प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ चार महीने पहले प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से ही आकांक्षा के मायके के लोग इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे और कई बार धमकियां भी दी गई थीं। आकांक्षा का आरोप है कि उसके परिजन पहले भी दोनों पर हमला कर चुके हैं और लगातार रिश्ते को खत्म करने का दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे। आकांक्षा का कहना था कि परिवार के लोग ही उसका घर उजाड़ देंगे, यह उसने कभी सोचा भी नहीं था। बस उम्मीद थी कि मायके पक्ष के लोग इस रिश्ते को स्वीकार कर लेंगे, लेकिन वह अंदर ही अंदर किस कदर दुश्मनी रख रहे थे, यह पता नहीं था। जिला अस्पताल में पति की हत्या के बाद रोते हुए आकांक्षा ने हमलावरों को गोली मारने की मांग की है। आकांक्षा का कहना है कि हमलावरों ने जैसे पति को गोली मारी है, उन्हें भी ऐसे ही गोली मारी जाए। दोनों अनुसूचित जाति के थे।

छह-सात थे हमलावर

आकांक्षा ने बताया कि हमलावर अलग-अलग बाइकों पर थे, जिनकी संख्या करीब छह से सात थी। आरोप है कि इनमें भाई मंजीत के अलावा पिता, मां, मामा, बहन, जीजा और भाई के दोस्त शामिल थे। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर भाग गए।

तीन मार्च को एसएसएफ में नौकरी का मिला था नियुक्ति पत्र

आकांक्षा ने बताया कि पति शिवकुमार का तीन मार्च को एसएसएफ (स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स) में नौकरी का नियुक्ति पत्र आया था। हालांकि उन्होंने अब तक तैनाती नहीं ली थी। उसने एमएससी-एलएलबी की पढ़ाई की थी। वह दो भाई हैं। उनमें शिवकुमार बड़ा है, जबकि छोटा भाई अक्षय है।

यह था पूरा मामला

सहारनपुर के रामपुर मनिहारान थाना इलाके में पुलिस भर्ती परीक्षा देने आई पत्नी के सामने पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोनों ने चार माह पहले प्रेम विवाह किया था। इसी वजह से वारदात को अंजाम दिया गया। कार के शीशे से सटाकर गोली मारी गई। सभी हमलावर बाइक पर आए थे। मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे वारदात को अंजाम देकर भाग गए। पत्नी ने हत्या का आरोप सगे भाई मंजीत और कई अन्य पर लगाया है

युवक के पिता सलेखचंद की तहरीर पर पुलिस ने आकांक्षा के दो सगे भाई समेत छह पर प्राथमिकी दर्ज की है। शामली जिले के गांव खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार (27) अपनी पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती की परीक्षा दिलाने के लिए रामपुर मनिहारान स्थित गोचर महाविद्यालय आया था। शिवकुमार ने परीक्षा के लिए स्कार्पियो कार किराए पर ली थी। दोपहर में परीक्षा खत्म होने के बाद शिवकुमार अपनी पत्नी आकांक्षा और मामा के बेटे शुभम के साथ कार से घर शामली जा रहा था। परीक्षा केंद्र से करीब 500 मीटर दूर दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर शहरी पुल के पास भीड़ लगी थी। उनकी कार के आगे ई-रिक्शा खड़ा था।

इसी दौरान बाइक से आए हमलावर ने कार के शीशे से सटाकर गोली चला दी, जो शिवकुमार के सिर में लगी। गोली लगते ही शिवकुमार खून से लथपथ होकर गिर गया। घायल अवस्था में उसे सीएचसी ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पत्नी आकांक्षा ने पुलिस को बताया कि चार महीने पहले उन्होंने शिवकुमार से प्रेम विवाह किया था। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं।

अनुसूचित जाति के एक ही बिरादरी के हैं। विवाह के बाद से परिजन उनके रिश्ते का विरोध कर रहे थे। आकांक्षा का आरोप है कि इसी नाराजगी के चलते भाई और कई अन्य ने मिलकर उनके पति की हत्या की है।

महाकाल, फरसा के बाद अब हंटर गैंग... गाजीपुर में 49 गिरोह कैसे फैला रहे दहशत? 401 अपराधी रडार पर

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में होटल व्यवसायी हत्याकांड के बाद शुरू किए गए "ऑपरेशन वज्रपात" के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र में सक्रिय एक नए गैंग का खुलासा हुआ है, जो "हंटर गैंग" के नाम से सोशल मीडिया पर संचालित हो रहा था। पुलिस ने इस गैंग के सरगना सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दरअसल, वाराणसी परिक्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण के निर्देश पर गाजीपुर, जौनपुर, चंदौली और वाराणसी जिलों में ऑपरेशन वज्रपात चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से सक्रिय आपराधिक और दबंगई करने वाले गैंगों की पहचान कर उनके

खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करना है।

गाजीपुर के 49 गैंग सक्रिय

गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ। ईरज राजा ने बताया था कि जिले में कुल 49 गैंग सक्रिय पाए गए हैं। इनमें कटरा गैंग, महाकाल गैंग, फरसा गैंग, 315 गैंग सहित कई अन्य समूह शामिल हैं। पुलिस की जांच में सामने आया था कि इन गैंगों से कुल 401 लोग जुड़े हुए हैं। इनके खिलाफ अब तक 39 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं और आगे भी कार्रवाई जारी है।

इसी अभियान के दौरान दुल्लहपुर थाना पुलिस को "हंटर गैंग" के बारे में जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि यह गैंग सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को जोड़कर क्षेत्र में अपना दबदबा कायम करने का प्रयास कर रहा था। पुलिस के अनुसार, गैंग के सदस्य आम लोगों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे। कई बार राह चलते लोगों को भी सिर्फ अपना प्रभाव दिखाने के लिए निशाना बनाया जाता था।

दर्ज एफआईआर के मुताबिक, इस गैंग का नेतृत्व संतोष राजभर कर रहा था। आरोप है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गैंग का संचालन करता था और अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों में भय का माहौल बनाने की कोशिश करता था। पुलिस का कहना है कि गैंग के सदस्य अक्सर लोगों को जान से मारने की धमकी भी देते थे, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था।

पुलिस ने दर्ज किया केस

दुल्लहपुर थाना पुलिस ने मामले में गैंग लीडर संतोष राजभर के अलावा भोलू विश्वकर्मा, भोलू पांडेय, अमन यादव और पिंटू यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 191(2), 115(2), 352 और 351(3) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और गैंग से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन वज्रपात के तहत ऐसे सभी गैंगों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

आईटी सेल देश भर में होगा गठित : सुबीर सेन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय आईटी सेल प्रमुख सुबीर सेन का जौनपुर आगमन पर कायस्थ समाज के पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। बाजिदपुर स्थित जिला उपाध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव 'बबलू' के आवास पर आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने कहा कि संगठन को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के लिए पूरे देश में कायस्थ महासभा के आईटी सेल का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज संगठन की पहचान देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है और बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़ रहे हैं। सदस्यता निःशुल्क रखकर समाज को एकजुट करने का कार्य किया जा रहा है।प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद श्रीवास्तव 'दीनू' ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में

संगठनात्मक ढांचा खड़ा किया जा चुका है तथा शेष जिलों में भी जल्द नियुक्तियां कर संगठन को और मजबूत बनाया जाएगा।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ महासभा समाज के हितों की रक्षा और उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय वर्मा 'अज्जू' ने कहा कि कायस्थ समाज ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है और आगे भी समाज व राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव 'दीपक' तथा राष्ट्रीय संरक्षक उमेश श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में कायस्थ महासभा अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि श्री सेन का जौनपुर आगमन जिले के लिए गौरव का विषय है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से संगठन को नई दिशा मिलेगी।

खुदाई में मिला मुगलकालीन घड़ा, छूते ही टूटा... चांदी का खजाना देख चौंधिया गईं लोगों की आंखें

आर्यावर्त संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से एक बेहद हैरान और रोमांचित करने वाला मामला सामने आया है। यहां तरयासुजान क्षेत्र के एक खेत में मिट्टी की खुदाई के दौरान पीतल का एक प्राचीन घड़ा मिला, जिसमें चांदी के सैकड़ों ऐतिहासिक सिक्के भरे हुए थे। घड़ा बाहर निकलते ही टूट गया और कीमती सिक्के खेत में बिखर गए। जैसे ही यह खबर फैली, पूरे इलाके में सनसनी मच गई और सिक्कों को समेटने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि लोग देर रात तक कुदाल लेकर खेत खोदते रहे। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

यह दिलचस्प घटना तरयासुजान थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोपालपुर के टोला ओझवलिया की है। यहां के रहने वाले राधेश्याम वर्मा के खेत में

मिट्टी की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जमीन के भीतर दबा एक पुराना पीतल का घड़ा मिला। घड़ा काफी जर्जर हो चुका था, जिसके कारण वह बाहर आते ही टूट गया और उसमें छिपे चांदी के प्राचीन सिक्के जमीन पर बिखर गए।

प्रारंभिक जांच और सिक्कों की बनावट को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि ये सिक्के लगभग वर्ष 1640 ईस्वी (मुगल काल) के हैं। इन सिक्कों पर अरबी, उर्दू या फारसी लिपि में कुछ लिखावट अंकित है, जिससे इनके प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व के होने की पूरी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इन सिक्कों के वास्तविक कालखंड और ऐतिहासिकता की सटीक पुष्टि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

रात के अंधेरे में कुदाल लेकर जुटे ग्रामीण, मची लूट

खेत में प्राचीन खजाना मिलने की बात आग की तरह पूरे गांव और आसपास के इलाकों में फैल गई। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों का हुजूम इकट्ठा हो गया। सिक्कों को अपने कब्जे में लेने के लिए लोगों के बीच होड़ मच गई। खेत मालिक राधेश्याम वर्मा के अनुसार, घड़ा टूटने के बाद वहां मौजूद ट्रैक्टर चालकों और ग्रामीणों ने अधिकांश सिक्के उठा लिए। स्थिति यह थी कि घटना के बाद देर रात तक ग्रामीण टॉर्च की रोशनी में कुदाल लेकर खेत की खुदाई करते रहे ताकि उनके हाथ भी कुछ सिक्के लग सकें।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, खेत मालिक ने सौंपे 330 सिक्के

सूचना मिलते ही तरयासुजान के थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रात के अंधेरे और भारी भीड़ के कारण पहले दिन स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी थी। अगले दिन पुलिस ने जब गहराई से पूछताछ शुरू की, तो खेत स्वामी राधेश्याम वर्मा ने ईमानदारी दिखाते हुए अपने पास मौजूद सभी 330 चांदी के सिक्के स्वेच्छा से पुलिस को सौंप दिए।

पुलिस अब उन ग्रामीणों और ट्रैक्टर चालकों की पहचान करने में जुटी है जो मौके से सिक्के उठाकर अपने साथ ले गए हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से भी अपील की है कि यह एक राष्ट्रीय धरोहर है, इसलिए जिसके पास भी ये सिक्के हैं, वे स्वेच्छा से इन्हें पुलिस या प्रशासन को सौंप दें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

क्या आपको भी आते हैं बहुत ज्यादा खर्राटे? ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं

खर्राटे केवल नींद में आने वाली आवाज नहीं है, बल्कि यह शरीर के भीतर चल रही किसी समस्या का संकेत भी हो सकते हैं। जैसे कि नाक में रुकावट, टॉन्सिल का बढ़ना, मोटापा, शराब का सेवन, या फिर गंभीर स्थिति जैसे ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया।

आपके घर में या आसपास कोई न कोई ऐसा जरूर होगा जिसके खर्राटे से सभी लोग परेशान रहते होंगे? नींद के दौरान आने वाली आवाज आसपास के लोगों की नींद उड़ा देती है, उन्हें असहज करने वाली हो सकती है। यह समस्या सिर्फ आपके घर की नहीं है, बल्कि दुनिया भर में लाखों लोग इससे प्रभावित हैं। अक्सर लोग खर्राटे को सिर्फ थकान या गहरी नींद का संकेत मानते रहते हैं, लेकिन कुछ स्थितियों में ये स्वास्थ्य जटिलाओं का भी संकेत हो सकती है।

खर्राटे तब आते हैं जब नींद के दौरान सांस की नली आंशिक रूप से ब्लॉक हो जाता है, इससे हवा गुजरने में रुकावट आती है। इस रुकावट के कारण गले के टिशू में कंपन होता है जिससे खर्राट की आवाज आती है। वैसे तो ये समस्या आमतौर पर गंभीर नहीं होती, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई मामलों में यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकती है?

अगर आप या आपके घर में किसी को खर्राटे की दिक्कत है तो इसके जोखिमों को जान लीजिए।

खर्राटे आने की समस्या

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि खराब लाइफस्टाइल, नींद पूरी न होना, जंक फूड और शारीरिक गतिविधियों की कमी ने इस समस्या को काफी बढ़ा दिया है। युवा-बुजुर्ग ही नहीं कई बच्चों को भी इसका शिकार देखा जा रहा है।

खर्राटों का कारण क्या है?

खर्राटे आने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे प्रमुख कारण सांस लेने के रास्ते का संकरा होना है।

जब नाक, गला या सांस नली में किसी भी तरह की रुकावट होती है, तो हवा का प्रवाह बाधित हो जाता है और टिशू कंपन करने लगते हैं।

मोटापा इस समस्या का एक बड़ा कारण है। अतिरिक्त फैट गले के आसपास जमा होकर एयरवे को संकरा कर देती है।

इसके अलावा शराब और नींद की दवाएं मांसपेशियों को बहुत ज्यादा रिलैक्स कर देती हैं, जिससे सांस का रास्ता और भी बंद हो सकता है।

कुछ लोगों में जन्म से ही गले की बनावट ऐसी होती है कि खर्राटे आने की संभावना ज्यादा होती है।

खर्राटे किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हल्के खर्राटे आना सामान्य माना जाता है, लेकिन लगातार और तेज खर्राटे कई बार गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं।

ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया इसका सबसे बड़ा खतरा है जिसमें नींद के दौरान सांस बार-बार रुकती है। अगर खर्राटों के साथ सांस रुकने, घुटन महसूस होने या अचानक नींद टूटने जैसे लक्षण हों, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए और डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

साइनस में लंबे समय तक सूजन या सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से टिश्यू में सूजन आ जाती है और बहुत ज्यादा बलगम बनता है, जिससे नाक का रास्ता बंद हो जाता है।

एलर्जिक राइनाइटिस पर्यावरण से जुड़ी एलर्जी की स्थिति है जिसमें नाक की अंदरूनी परत में सूजन आ जाती हैं। इससे आपको मुंह से सांस लेनी पड़ती है और खर्राटे आने की आशंका बढ़ जाती है।

नेजल पॉलिप्स की समस्या नाक के रास्ते या साइनस के अंदर नॉन-कैंसरस गांठें बना देती है। ये सांस लेने के रास्ते को रोकती हैं इससे भी खर्राटे बढ़ जाते हैं।

अमेरिका में 7 हजार रुपये किलो बिक रही भिंडी! जान लें कितने हैं पोषक तत्व और फायदे

भारतीय रसोई में भिंडी सबसे बेसिक सब्जियों में शामिल होती है और ये बहुत महंगी भी नहीं आती है। हमारे रेगुलर खाने का हिस्सा ये सब्जी इस वक्त सोशल मीडिया पर चर्चा में है। दरअसल इसकी वजह है इसके दाम। अमेरिका के सुपर मार्केट में भिंडी की कीमत 7,250 रुपये प्रति किलो तक है। शख्स ने जो वीडियो शेयर की है उसमें वह 85 ग्राम का क्रिस्पी फ्राइड भिंडी का पैकेट दिखाता नजर आ रहा है जो 6.5 डॉलर (करीब 600 रुपये) का है। गर्मियों की सब्जी भिंडी पोषक तत्वों से भरपूर होती है और आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर आशीष आहूजा ने ये वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया कि हमारे यहां जिस भिंडी की सब्जी बनाई जाती है उसे यूएस में क्रिस्प करके स्नैक्स की तरह बेचा जा रहा है। उन्होंने इसके दाम भी शो किए हैं। फिलहाल भिंडी के ये क्रिस्पी स्नैक्स आप भी घर पर बना सकते हैं, लेकिन इससे पहले जान लें न्यूट्रिएंट्स वैल्यू और फायदे।

विटामिन सी का बेहतरीन सोर्स

भिंडी में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। हेल्थ लाइन के मुताबिक 100 ग्राम कच्ची भिंडी में हमारे डेली जरूरत का 26 प्रतिशत विटामिन सी होता है। विटामिन सी एक वाटर सॉल्युबल न्यूट्रिएंट है जो हमारी इम्यूनिटी को मजबूत करने से लेकर स्किन को हेल्दी रखने तक कई तरह से फायदेमंद है।

ये भी हैं विटामिन

भिंडी में डेली जरूरत का 5 प्रतिशत विटामिन ए होता है। 26 प्रतिशत विटामिन के होता है। 13 प्रतिशत विटामिन बी 6 (पाइरिडोक्सिन) और 15 प्रतिशत बी 9 (फोलेट) पाया जाता है। इसमें पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनोइड्स और आइसोक्वेरसेटिन भी पाए जाते हैं जो पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट हैं। ये शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

ये भी हैं पोषक तत्व

पबमेड में छपी जानकारी कहती है कि यूएसडीए के डेटा के मुताबिक, 100 ग्राम भिंडी में 2 ग्राम प्रोटीन होता है और 3.2 ग्राम डायटरी फाइबर पाया जाता है। इसके अलावा इसमें फाइटोस्टेरॉल 0.024 ग्राम, ओमेगा 6 फैटी एसिड 0.026 ग्राम, ओमेगा 3 फैटी एसिड 0.001 ग्राम होता है।

भिंडी की टेस्टी डिशेज

घरों में मसालेदार और सूखी भिंडी तो बनाई ही जाती है। इसके अलावा आप क्रंची भिंडी, दही वाली भिंडी बनाकर खा सकते हैं। इसे पतले स्लाइस में काटकर एयर फ्राई या बेक कर सकते हैं और स्नैक्स की तरह खाया जा सकता है। ओकरा सूप भी बना सकते हैं।

भिंडी के ये भी हैं फायदे

डायटरी फाइबर होने की वजह से भिंडी डाइजेशन इंप्रूव करती है।

विटामिन के शरीर में खून के थक्के जमाने के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट है।

भिंडी में विटामिन ए है जो आपकी आंखों को हेल्दी रखने में हेल्प करता है।

फोलेट नई कोशिकाओं, डीएनए संश्लेषण और रेड ब्लड सेल के प्रोडक्शन में हेल्पफुल है।

चेहरे की सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकता है फेस योग, जानिए इसके त्वचा संबंधी फायदे

फेस योग एक प्राकृतिक और असरदार तरीका है, जिससे आप अपने चेहरे की सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। यह तरीका न केवल आपकी त्वचा को ताजगी देता है, बल्कि चेहरे की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। फेस योग के जरिए आप झुर्रियों, आंखों के नीचे के काले घेरे और थकी हुई त्वचा से छुटकारा पा सकते हैं। इस लेख में हम फेस योग के 5 प्रमुख फायदों पर चर्चा करेंगे, जो आपके चेहरे को टोन कर सकते हैं।

झुर्रियां हो जाएंगी कम

फेस योग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह झुर्रियों को कम करने में मदद करता है। नियमित रूप से चेहरे की मांसपेशियों को टोन करने वाले आसनों का अभ्यास करने से झुर्रियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। इससे आपकी त्वचा युवा और ताजगी भरी दिखती है। इसके अलावा यह तरीका रक्त संचार को भी बढ़ाता है, जिससे त्वचा में निखार आता है और वह स्वस्थ दिखती है। इससे समय से पहले बुढ़ापा नहीं आता है।

आंखों के नीचे के काले घेरे का होगा समाधान

आंखों के नीचे के काले घेरे एक आम समस्या बन चुकी है, खासकर आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में। फेस योग के कुछ विशेष आसनों का अभ्यास करके आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं। इन आसनों में उंगलियों से हल्के हाथों से आंखों के चारों ओर मालिश करना शामिल है। इससे रक्त संचार बेहतर होता है और काले घेरे कम होते हैं। इसके अलावा यह तरीका आंखों को आराम भी देता है और उन्हें तरोताजा बनाता है।

थकी हुई त्वचा को मिलेगी ताजगी

अगर आपकी त्वचा थकी हुई लग रही है तो फेस योग आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें चेहरे की मांसपेशियों को खींचने वाले आसनों का अभ्यास किया जाता है, जिससे त्वचा ताजगी भरी दिखती है। इसके अलावा यह तरीका त्वचा की चमक बढ़ाता है और उसे स्वस्थ बनाए रखता है। रोजाना कुछ मिनट इस योग का अभ्यास करने से आप अपनी थकी हुई त्वचा को फिर से जीवंत बना सकते हैं।

तनाव होगा कम

तनाव हमारे पूरे शरीर पर असर डालता है, जिसमें हमारा चेहरा भी शामिल है। फेस योग तनाव कम करने में बहुत मददगार होता है, क्योंकि इसमें गहरी सांस लेने वाली तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने वाले आसनों का अभ्यास करने से तनाव स्तर कम होता है और आप अधिक शांत महसूस करते हैं। इससे आपकी त्वचा भी तरोताजा और स्वस्थ दिखती है।

प्राकृतिक रूप से मिलेगा निखार

फेस योग न केवल बाहरी सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आंतरिक रूप से भी आपकी त्वचा को मजबूत बनाता है। नियमित अभ्यास करने पर आपकी त्वचा में निखार आता है, जो प्राकृतिक होता है। इससे न केवल आपकी त्वचा चमकदार दिखती है, बल्कि वह स्वस्थ भी रहती है। इस प्रकार फेस योग एक सरल, लेकिन असरदार तरीका है, जिससे आप अपनी त्वचा की देखभाल कर सकते हैं और उसे नई जान दे सकते हैं।

उज्ज्वला कनेक्शन वालों को बड़ा झटका, सरकार ने घटाई सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को अब साल में सिर्फ 4 ही सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे। सरकार ने सालाना मिलने वाले सिलेंडर की संख्या को 9 से घटाकर 4 कर दिया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) मई 2016 में शुरू की गई थी ताकि गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना डिपॉजिट वाले LPG कनेक्शन दिए जा सकें। शुरुआत में लाभार्थियों को साल में 12 सब्सिडी वाले 14.2-kg सिलेंडर मिलते थे। पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर का कोटा घटाकर नौ कर दिया गया था और अब इसे और कम करके चार कर दिया गया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी प्रवीण मल खनूजा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बदली हुई सीमा मोटे तौर पर उज्ज्वला लाभार्थियों की औसत सालाना खपत के बराबर है। खाना पकाने के लिए साफ-सुथरे ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और इसे सस्ता बनाने के लिए, सरकार ने मई 2022 में 14.2-kg LPG सिलेंडर पर 200 रुपये की टारगेटेड सब्सिडी शुरू की थी। यह सब्सिडी साल में 12 सिलेंडर तक की हर रिफिल खरीद के बाद सीधे लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में जमा की जाती थी। अक्टूबर 2023 में, सब्सिडी को बढ़ाकर 14.2-kg सिलेंडर पर 300 रुपये कर दिया गया और 5-kg सिलेंडर के लिए भी उसी अनुपात में फायदा दिया गया।

पहले बढ़े दाम अब घटी सिलेंडरों की संख्या

सब्सिडी वाले कोटे में यह कटौती LPG की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद की गई है। दिल्ली में 14.2-kg सिलेंडर की कीमत पिछले तीन महीनों में दो बार की बढ़ोतरी के बाद कुल मिलाकर 89 रुपये बढ़ी है। आखिरी बढ़ोतरी 7 जून को हुई, जिससे रिटेल कीमत 942 रुपये हो गई। 300 रुपये की सब्सिडी घटाने के बाद, PMUY लाभार्थियों को 14.2-kg सिलेंडर के लिए 642 रुपये देने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि बदली हुई सीमा मोटे तौर पर PMUY परिवारों की औसत सालाना खपत को दिखाती है। सरकार की अनुमानित सप्लाई कॉस्ट की तुलना में लाभार्थियों को असल में प्रति सिलेंडर लगभग 1,000 रुपये की मदद मिलती है। 7 जून को कुकिंग गैस LPG की कीमतों में प्रति सिलेंडर 29 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी रोजाना 1 रुपये के बराबर है। उन्होंने आगे कहा कि पांच लोगों वाले परिवार के लिए यह बढ़ोतरी रोजाना 20 पैसे के बराबर है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में आई रुकावटों की वजह से इंटरनेशनल LPG की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद, भारतीय घरों में खाना पकाने वाली गैस के लिए दुनिया में सबसे कम कीमतें चुकाई जा रही हैं।

एलपीजी की लागत में हुई बढ़ोतरी

प्रवीण मल खानूजा ने बताया कि फरवरी के आखिर में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद इंटरनेशनल कीमतों में उछाल आया, जिससे घरेलू LPG सिलेंडर की सप्लाई की लागत बढ़कर 1,600 रुपये से ज़्यादा हो गई है। भारत में LPG इम्पोर्ट की लागत सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (CP) से जुड़ी है, जो इस फ्यूल के लिए ग्लोबल बेंचमार्क है। फरवरी के बाद से इस बेंचमार्क में लगभग 46% की बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी रुकावटों के कारण खाड़ी क्षेत्र से सप्लाई कम हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2022 से अब तक 52,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी है। उन्होंने बताया कि कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, ऑयल कंपनियों को हर 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर पर लगभग 700 रुपये का नुकसान हो रहा है। LPG के अलावा, ऑयल कंपनियों को पेट्रोल और डीजल को लागत से कम कीमत पर बेचने पर भी नुकसान हो रहा है। पेट्रोल पर अंडर-रिकवरी 6 रुपये प्रति लीटर थी, और डीज़ल पर यह लगभग 30 रुपये प्रति लीटर थी। कीमतों में बढ़ोतरी की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, ऑयल कंपनियों को 600-700 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। LPG के अलावा, ऑयल कंपनियों ने पिछले महीने चार किस्तों में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में भी प्रति लीटर लगभग 7.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। CNG की कीमतों में भी 6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है।

बिना कैमरा और बिना क्लोनिंग के भी चोरी हो रहा है एटीएम पिन, जानिए 'थर्मल स्कैनिंग' का नया खेल

आज के डिजिटल दौर में एटीएम से पैसे निकालते समय हम अक्सर छिपे हुए कैमरे या कार्ड क्लोनिंग डिवाइस से बचकर रहते हैं। मगर अब जालसाजों ने ठगी का एक ऐसा नया और खतरनाक तरीका निकाला है, जिसमें न तो किसी कैमरे की जरूरत है और न ही आपके कार्ड को क्लोन करने की।

इसे 'थर्मल स्कैनिंग' का नया खेल कहा जा रहा है, जो कि पिन चोरी का एक ऐसा अनोखा तरीका है जिसे जानकर आपको किसी फिल्म की कहानी जैसा लगेगा। इसमें चोर आपके जाने के तुरंत बाद कीपैड पर बटनों की गर्मी देखकर आपका सीक्रेट पिन चुरा लेते हैं। आइए बिल्कुल सरल भाषा में समझते हैं कि यह पूरा खेल कैसे होता है और इससे कैसे बचें।

क्या है थर्मल स्कैनिंग का खेल?

जब आप एटीएम मशीन के कीपैड पर उंगलियों से अपना पिन दबाते हैं, तो आपकी उंगलियों की गर्मी उन बटनों पर ट्रांसफर हो जाती है।

आपके जाने के तुरंत बाद चोर एक खास थर्मल इमेजिंग कैमरे से कीपैड की फोटो ले लेते हैं। इस फोटो में साफ दिख जाता है कि कौन से बटन हाल ही में दबाए गए थे।

प्लास्टिक और मेटल कीपैड का अंतर

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह तकनीक प्लास्टिक वाले कीपैड पर सबसे ज्यादा असरदार (करीब 80% सटीक) हो सकती है क्योंकि प्लास्टिक गर्मी को लंबे समय तक रोक कर रखता है।

इसके विपरीत, जो एटीएम मशीनें पूरी तरह मेटल या स्टील के कीपैड वाली होती हैं, उन पर थर्मल स्कैनिंग काम नहीं कर पाती क्योंकि मेटल बहुत जल्दी ठंडा हो जाता है।

बटन दबाने का क्रम कैसे पता चलता है

थर्मल फोटो में जो बटन सबसे ज्यादा लाल या चमकदार दिखता है, वह सबसे आखिरी में दबाया गया होता है।

वहीं जो बटन थोड़ा धुंधला या कम गर्म होता है, वह सबसे पहले दबाया गया होता है। इसी गर्मी के रंग को देखकर चोर आसानी से आपके 4 अंकों के पिन का सही क्रम पता लगा लेते हैं।

बचाव के लिए अपनाएं यह आसान ट्रिक

इस शातिर ठगी से बचने का सबसे सरल उपाय यह है कि जब आप एटीएम में अपना पिन एंटर कर रहे हों, तो अपनी बाकी उंगलियों या पूरी हथेली को अन्य बटनों पर भी हल्का सा रख दें।

ऐसा करने से कीपैड के कई सारे बटनों पर एक जैसी गर्मी फैल जाएगी और चोर कभी भी सही पिन का अंदाजा नहीं लगा पाएंगे।

एयरटेल-Vi को बड़ी राहत, बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द किया एकमुश्त स्पेक्ट्रम चार्ज

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत देते हुए सरकार के 'वन-टाइम स्पेक्ट्रम चार्ज' (OTSC) वाले आदेश को पूरी तरह रद्द कर दिया है। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए साफ कहा कि सरकार पुराने लाइसेंस की वित्तीय शर्तों को पिछली तारीख से नहीं बदल सकती। इस फैसले से टेलीकॉम कंपनियों पर लटक रही भारी-भरकम देनदारी का बड़ा संकट टल गया है।

टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज कंपनियों, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया (Vi) को बॉम्बे हाई कोर्ट से एक बहुत बड़ी कानूनी तथा वित्तीय राहत मिली है। अदालत ने केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए 'वन-टाइम स्पेक्ट्रम चार्ज' (OTSC) को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। यानी इन कंपनियों के सिर पर कई सालों से लटक रही एक भारी-भरकम देनदारी की तलवार अब हट गई है। कोर्ट ने अपने कड़े फैसले में साफ कर दिया है कि सरकार के पास यह अधिकार बिल्कुल नहीं है कि वह लाइसेंस जारी करने के बरसों बाद, पिछली तारीख (रेट्रोस्पेक्टिवली) से वित्तीय शर्तों में कोई मनमाना बदलाव करे। इस फैसले से न सिर्फ कंपनियों को अपनी जमा कराई गई बैंक गारंटी वापस मिलेगी, बल्कि टेलीकॉम सेक्टर में लंबे समय से छाई एक बड़ी अनिश्चितता भी खत्म हो जाएगी। यह पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट के चर्चित 2G स्पेक्ट्रम फैसले के बाद गरमाया था। उस समय दूरसंचार विभाग (DoT) ने एकतरफा फैसला लेते हुए तय किया कि जिन टेलीकॉम कंपनियों के पास जुलाई 2008 से 6.2 MHz से ज्यादा का स्पेक्ट्रम है, उनसे एक अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा। सरकार का तर्क यह था कि कंपनियों को स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज के साथ-साथ स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए भी अलग से एकमुश्त रकम चुकानी चाहिए। इसके लिए सरकार ने 2012 में कंपनियों को डिमांड नोटिस भेज दिए थे, जिसे एयरटेल और वोडाफोन ने सीधे अदालत में चुनौती दी।

कंपनियों ने अदालत में दी मजबूत दलीलें

इस मामले में एयरटेल और वोडाफोन आइडिया का पक्ष बेहद स्पष्ट था। कंपनियों ने दलील दी कि भारतीय टेलीग्राफ एक्ट, 1885 या उनके किसी भी लाइसेंस समझौते में ऐसा कोई नियम नहीं है जो सरकार को पिछली तारीख से इस तरह का कोई भी अतिरिक्त चार्ज लगाने की शक्ति देता हो। इसके अलावा, कंपनियां नेशनल टेलीकॉम पॉलिसी (NTP) 1999 के तहत पहले से ही रेवेन्यू-शेयरिंग मॉडल का पालन कर रही थीं। इसका मतलब है कि जब भी उन्हें अतिरिक्त स्पेक्ट्रम दिया गया, उन्होंने उसी अनुपात में सरकार को अपना रेवेन्यू-शेयर भी बढ़ाकर चुकाया। ऐसे में यह नया वन-टाइम चार्ज पूरी तरह से अनुचित था।

बीच में नहीं बदल सकते नियम

बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस मनीष पितले और जस्टिस श्रीराम वी। शिरसाट की खंडपीठ ने कंपनियों के तर्कों को शत-प्रतिशत सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि टेलीकॉम लाइसेंस अपने आप में एक 'कॉन्ट्रैक्ट' (अनुबंध) है, और सरकार भी इसकी कानूनी शर्तों से पूरी तरह बंधी हुई है। अदालत ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि 'मैच शुरू होने के बाद खेल के नियम नहीं बदले जा सकते।' सरकार ने इस चार्ज को 'जनहित' का नाम देने की कोशिश की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि केवल सरकारी खजाना भरना जनहित नहीं हो सकता। इसके लिए अदालत ने मद्रास हाई कोर्ट के 2016 के एयरसेल मामले के पुराने फैसले से भी अपनी स्पष्ट असहमति जताई।

आम उपभोक्ता के लिए इस फैसले के मायने

भले ही यह मामला सीधे तौर पर टेलीकॉम कंपनियों और सरकार के बीच का था, लेकिन इसका असर आम मोबाइल ग्राहकों पर भी पड़ता है। अदालत ने याद दिलाया कि 1999 की टेलीकॉम पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को सस्ती टेलीकॉम सेवाएं देना और ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क कनेक्टिविटी सुधारना था। अब जब एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ऊपर से इस भारी जुर्माने का दबाव हट गया है, तो उनके पास भविष्य की तकनीक और नेटवर्क सुधारने के लिए अधिक पूंजी होगी। एयरटेल ने भी फैसले का स्वागत करते हुए स्पष्ट किया है कि इस कदम से सेक्टर में निवेश को भारी बढ़ावा मिलेगा, जिसका सीधा फायदा बेहतर नेटवर्क और सर्विस के रूप में ग्राहकों तक पहुंचेगा।

होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव, अपाचे हेलीकॉप्टर मामले के बाद ईरान पर अमेरिका का बड़ा हमला

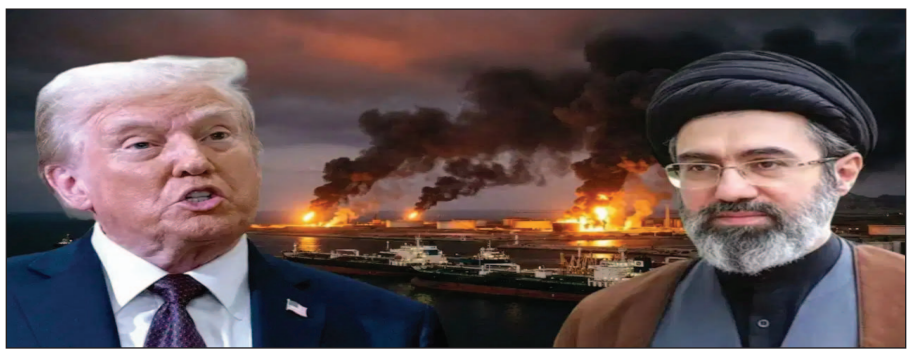

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के भी एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। ये हमले ईरान द्वारा सोमवार को एक अमेरिकी हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के जवाब में किए गए। इन हमलों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अंजाम दिया गया। जिससे दोनों देशों के बीच चल रही शांति वार्ता को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका के इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड CENTCOM ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि कल अमेरिकी सेना के अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के जवाब में, कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर U.S। सेंट्रल कमांड (CENTCOM) की सेनाओं ने आज शाम 5 बजे (ET) ईरान के खिलाफ आत्मरक्षा में हमले शुरू किए। यह मिशन ईरान की बिना वजह की आक्रामकता का एक उचित जवाब है।

अमेरिकी हेलीकॉप्टर मार गिराने का आरोप

राष्ट्रपति ट्रंप ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि सोमवार को ईरान ने होर्मुज के पास गश्त कर रहे अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर को गिरा दिया था। हेलीकॉप्टर में दो पायलट थे, दोनों सुरक्षित बचा लिए गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई। ट्रंप ने उनके रेस्क्यू की जानकारी भी पोस्ट में दी। दरअसल मंगलवार रात होर्मुज में अमेरिका का एक अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ये हेलिकॉप्टर ईरानी हमलों की वजह से क्रैश हुआ। हालांकि,दोनों पायलट्स को ड्रोन की मदद से सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया था। जिसके बाद ट्रंप ने कहा कि इसका बदला जरूर लिया जाएगा।

'हमले का जवाब देना जरूरी है...'

इधर अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक हेलीकॉप्टर ईरानी ड्रोन से टकराया था। अभी ये साफ नहीं है कि टक्कर ईरान की तरफ से जानबूझकर कराई गई थी या ये एक हादसा था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि फिर भी अमेरिका को इस हमले का जवाब देना जरूरी है। इसके थोड़ी ही देर बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के कई अलग-अलग ठिकानों पर हमले किए। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना एक अमेरिकी हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के बाद ईरान पर हमले कर रही है। उन्होंने कहा कि जवाब देना बहुत जरूरी था। हालांकि ट्रंप के हमले के दावे को ईरान ने नकार दिया। ईरान का कहना है कि अमेरिका का अपाचे हेलिकॉप्टर उसने नहीं गिराया है। ईरान ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि वो ऐसे बहाने खोजकर हम पर हमला करना चाहते हैं।

कई एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को बनाया निशाना

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ईरान पर अमेरिकी हमलों में होर्मुज के आसपास कई एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया था। खबर है कि केशम द्वीप पर अमेरिकी हमलों की वजह से छह धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। माना जा रहा है कि ये अटैक ड्रोन से नहीं बल्कि लड़ाकू विमान से किया गया।ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार होर्मुज में स्थित केशम द्वीप पर हमला हुआ और सिरिक में एक प्रोजेक्टाइल के टकराने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही बंदर अब्बास पर भी हमला हुआ। होर्मोजगन के पूर्वी इलाकों में धमाकों की आवाज सुनी गई।

दो महीनों में पहला बड़ा सैन्य टकराव

यह घटना अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय शक्तियों के बीच दो महीने पहले हुए संघर्ष विराम पर नया दबाव पैदा कर सकती है। सोमवार को ही ईरान द्वारा इजरायल पर हमले और इसके जवाब में इजरायल द्वारा लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर कार्रवाई की खबरें सामने आई थीं। दो महीनों में यह पहला बड़ा सैन्य टकराव माना जा रहा है। इस घटना से दो महीने पुराने सीजफायर पर दबाव बढ़ गया है।

स्थायी शांति समझौते की संभावना

तनाव के बीच व्हाइट हाउस लगातार संकेत दे रहा है कि स्थायी शांति समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि अगले दो या तीन दिनों में समझौता होने की अच्छी संभावना है। हालांकि ईरानी प्रतिनिधियों का कहना है कि अमेरिका और ट्रंप प्रशासन की हालिया कार्रवाइयों से यह नहीं लगता कि वाशिंगटन वास्तव में संघर्षविराम या बातचीत का इच्छुक है। ऐसे में क्षेत्र में हालात और अधिक जटिल होते दिखाई दे रहे हैं।

एक घूंट हो या 2 पैग...रोज शराब पीने से हो सकती है असमय मौत, अमेरिका की सरकारी रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रोजाना एक ड्रिंक (घूंट) शराब पीना भी आपके लिए घातक साबित हो सकता है। अमेरिका की एक सरकारी एजेंसी के हालिया शोध में यह दावा किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रतिदिन एक ड्रिंक शराब पीने से असमय मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। वहीं, रोजाना दो पैग शराब का सेवन और भी अधिक खतरनाक माना गया है। इस शोध को लेकर अमेरिका की शराब कंपनियों ने सवाल उठाए हैं।

जर्नल ऑफ स्टडीज़ ऑन अल्कोहल एंड ड्रग्स में प्रकाशित इस रिपोर्ट को शुरुआत में अमेरिकी सरकार द्वारा सार्वजनिक न किए जाने के आरोप लगे थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार नहीं चाहती थी कि शराब के सेवन से जुड़े इस तरह के निष्कर्ष सामने आएं। हालांकि, काफी प्रयासों के बाद इस अध्ययन को सार्वजनिक किया गया।

शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने 2 तरीके से शराब सेवन को लेकर एक शोध किया। पहले उन लोगों से बात की, जो हर दिन एक घूंट शराब लेते हैं। इन लोगों का मानना है कि यह स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल ठीक है। शोधकर्ताओं का कहना है कि 1000 में से 1 केस ऐसे मिले, जो रोज शराब पीते थे और उनकी असमय मृत्यु हो गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों की शराब संबंधित बीमारियों या चोट के कारण मृत्यु हो गई। वहीं एक शोध ऐसे लोगों पर किया गया, जो रोजाना 2 पैग शराब पीते हैं। इसमें कहा गया है कि 25 में से 1 लोग रोजाना 2 पैग शराब पीने के कारण असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं। NYT के मुताबिक अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के पूर्व अफसर रॉबर्ट एम। विन्सेंट ने वैज्ञानिकों को शराब के सेवन को लेकर शोध करने के लिए कहा था। विन्सेट का दावा है कि इस शोध के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दी गई। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग ने इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

विन्सेट के मुताबिक इस शोध के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सरकार से आहार नियमावली के तहत 2 पैग शराब पीने की सलाह को वापस लेने के लिए कहा था, लेकिन सरकार ने व्यवसायिक हितों को देखते हुए इसे दबा दिया। अमेरिका में आहार नियमावली के तहत 2 ड्रिंक तक लेने की छूट है। इसके लिए मानक तय किए गए हैं। मसलन, एक स्टैंडर्ड ड्रिंक की परिभाषाण कुछ इस तरह है- सामान्य बीयर 12 फ्लूइड औंस (लगभग 355 मि.ली.), शराब 5 औंस (लगभग 148 मि.ली.) और डिस्टिल्ड स्पिरिटया 1.5 औंस (लगभग 44 मि.ली.) यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो एंशुट्ज मेडिकल कैंपस में महामारी विज्ञान के प्रमुख नेड कैलॉन्जे के मुताबिक शराब को लेकर जो शोध किए जाते हैं, उस पर हमेशा सवाल उठता है।

पीएम मोदी ने कुवैत के अमीर से की बात, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव पर जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार शांति वार्ता की कोशिशों के बाद भी संघर्ष जारी है, जिसकी बाद से मिडिल ईस्ट में हालात गंभीर होते जा रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल सबाह से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मिडिल ईस्ट में तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पीएम मोदी ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की और कुवैत की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने तनाव कम करने, संवाद और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जल्द से जल्द शांति और

स्थिरता बहाल करने की जरूरत पर जोर दिया।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और उनके कल्याण के प्रति व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने के लिए कुवैत के अमीर का शुक्रिया अदा भी व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

एयरपोर्ट पर हुए हमले में हुई थी भारतीय युवक की मौत

पीएम मोदी की यह बातचीत कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के कुछ दिन बाद हुई है। इस हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी और कई अन्य जख्मी हो गए थे। भारत ने इस हमले की निंदा की थी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। PM मोदी ने अमीर को आश्वस्त किया कि भारत कुवैत के साथ खड़ा है और हर मुश्किल में सहयोग करेगा।

विदेश मंत्रालय ने की थी निंदा

3 जून को विदेश मंत्रालय ने कहा था कि आम नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। मंत्रालय ने पीड़ित के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा था कि इस इलाके में मौजूद भारतीय मिशन प्रभावित नागरिकों की मदद करने और स्थिति पर बारीकी से नजर रखने के लिए अलर्ट है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बरकरार

इस बीच अमेरिका और ईरान के बीच पिछले 24 घंटे में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। होर्मुज स्ट्रेट के पास अपाचे हेलीकॉप्टर के क्रैश होने के बाद अमेरिका ने ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए। उसने केशम द्वीप, होर्मुज, जास्क, सिरिक, बंदर अब्बास और बुशहर को निशाना बनाया। दरअसल अमेरिका का दावा है कि हेलीकॉप्टर ईरानी ड्रोन से टकराने के बाद क्रैश हुआ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने हेलीकॉप्टर को मार गिराया और उन्होंने धमकी देते हुए कहा था कि ईरान को करारा जवाब दिया जाएगा। वहीं ईरान ने हेलीकॉप्टर पर हमले से साफ इनकार किया। अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और उसने बहरीन में अमेरिकी बेस पर ड्रोन से हमला किया। इस दौरानईरानी सेना ने कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

डायरिया रोकथाम व नियंत्रण में बड़ी भूमिका निभाएंगी आशा कार्यकर्ता

स्वास्थ्य विभाग ने आशा कार्यकर्ताओं को दिए डायरिया प्रबंधन के टिप्स

गौडा बौड़ाम (दरभंगा, बिहार)। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गौडा बौड़ाम में बुधवार को आशा कार्यकर्ताओं और आशा फैसिलिटेटर को डायरिया प्रबंधन के जरूरी टिप्स दिए गए। एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से 113 आशा कार्यकर्ताओं, सात आशा फैसिलिटेटर को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डायरिया की शीघ्र पहचान, बचाव, नियंत्रण और डायरिया में ओआरएस और जिंक की महत्ता के बारे में प्रशिक्षित किया गया। जिले में आगामी जुलाई माह में चलने वाले दस्त रोको अभियान की गतिविधियों के बारे में भी सभी से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के बाद फ्रंट लाइन वर्कर ने कहा कि समुदाय स्तर पर डायरिया के प्रति जागरूकता की अलख जगाने में बड़ी भूमिका निभाने को वह पूरी तरह तैयार हैं।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने डायरिया प्रबंधन के बारे में जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आशा कार्यकर्ता एवं आशा फैसिलिटेटर समय का अनुपालन करते हुए अपने कार्यों पर विशेष ध्यान दें। शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु का एक प्रमुख कारण दस्त है। समुदाय में व्यापक पैमाने पर इस बारे में जागरूकता और सही समय पर डायरिया की पहचान और जरूरी इलाज यानि ओआरएस और जिंक की सही मात्रा देकर बच्चे को सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने 28 जून से प्रारंभ होने वाले पल्स पोलियो प्रोग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने एवं जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सभी आशा कार्यकर्ताओं से युद्धस्तर पर आयुष्मान कार्ड बनाने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर प्रखण्ड सामुदायिक उत्प्रेरक मनीषा कुमारी ने सभी नवनियुक्त आशा कार्यकर्ताओं का परिचय प्राप्त करते हुए उन्हें प्रोग्राम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से बिहार के तीन जिलों दरभंगा, सुपौल और पूर्णिया में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस दौरान पीएसआई इंडिया से संजय तरुण ने डायरिया की शीघ्र पहचान, प्राथमिक उपचार और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हाथों की सही तरीके से स्वच्छता, ओआरएस एवं जिंक के साथ समय पर रोटा वायरस के टीकाकरण से इस बीमारी से बचा जा सकता है। इस मौके पर संस्थान के प्रभारी डॉ. अशोक कुमार, बीसीएम मनीषा कुमारी, पीएसआई इंडिया से अखिलेश कुमार और अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

स्मृति कल्प का आयोजन 14 जून को

इंदौर। प्रख्यात कथाकार , पद्मश्री से अलंकृत , श्रीमति मालती जोशी की स्मृति में होने वाला वार्षिक आयोजन 'स्मृति कल्प' इस बार रविवार 14 जून को प्रीतम लाल दुआ सभागार इंदौर में सुबह दस बजे से होगा ।

आयोजन में दो सत्र होंगे जिनमें मालती जोशी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा चर्चा की जाएगी तथा उनकी कहानियों का पाठ होगा ।

इसमें शिरकत करने इस वर्ष प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता , पटकथाकार और निर्देशक अतुल तिवारी मुंबई से और , वरिष्ठ साहित्यकार और संपादक लक्ष्मीशंकर बाजपेयी दिल्ली से आ रहे हैं । जानी मानी टेलीविजन हस्ती और साहित्यकार रंजना चितले और प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर तथा रंगमंच हस्ती मंजूषा राजस जौहरी , मालती जी की कहानियों का पाठ करेंगी । प्रसिद्ध साहित्यकार ज्योति जैन , अनीता सक्सेना और शिक्षा विद मधुरा फड़के अपने संस्मरण साझा करेंगी । यह आयोजन सोमनाथ एंड मालती जोशी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया जा रहा है ।

बेबी बंप के साथ दिखीं दीपिका, रणवीर सिंह के साथ नया घर देखने पहुंचीं, वायरल वीडियो पर फैंस ने लुटाया प्यार

दीपिका पादुकोण ने जब से दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की है, मीडिया में वह कम ही नजर आने लगी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस पति रणवीर सिंह के साथ अपना नया घर देखने पहुंचीं। दीपिका का बेबी बंप देखकर फैंस ने उन पर खूब प्यार लुटाया।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। इनका परिवार बढ़ेगा, ऐसे में बॉलीवुड का यह कपल अपने लिए नया घर बनवा रहा है। हाल ही में अपने नए घर को देखने के लिए दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पहुंचे। इस मौके पर दीपिका का बेबी बंप साफ नजर आया। कपल की सोशल मीडिया पर यह वीडियो और कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, इन पर फैंस भी खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक वायरल पोस्ट और वीडियो में दीपिका और रणवीर अपने नए घर की बालकनी पर खड़े नजर आ रहे हैं। दीपिका ने व्हाइट शर्ट और पैंट पहनी है। उनका बेबी बंप भी साफ नजर आ रहा है। प्रेग्नेंसी ग्लो दीपिका के चेहरे पर साफ नजर आने लगा है। दीपिका को घर दिखाते हुए रणवीर सिंह काफी उत्साहित दिख रहे थे।

दीपिका और रणवीर ने दो महीने पहले फैंस के साथ बांटी थी खुशखबरी

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं, यह खुशखबरी कपल ने अप्रैल महीने में फैंस के साथ शेयर की थी। इससे पहले उनकी एक बेटी दुआ है, वह लगभग दो साल की होने वाली है। हालिया सामने आए वीडियो में दीपिका का बेबी बंप भी साफ नजर आने लगा है। फैंस एक्ट्रेस पर खूब प्यार लुटा रहे हैं, सोशल मीडिया पर रिएक्शन दे रहे हैं।

दीपिका पादुकोण और रणवीर करियर फ्रंट पर क्या रहे हैं?

दीपिका पादुकोण शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' और अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' कर रही हैं। वहीं रणवीर सिंह 'धुरंधर 2' जैसी हिट फिल्म देखने के बाद हाल ही में 'डॉन 3' से बाहर होने के कारण चर्चा में आए। इस वजह से वह एक बड़ी कंट्रोवर्सी का भी शिकार हो गए। उन पर बैन लगाया गया, जिसे बाद में हटा लिया गया।

टाइगर श्रॉफ-जान्हवी और लक्ष्य की 'लग जा गले' की रिलीज का एलान, अगले साल इस दिन आएगी एक्शन से लबरेज फिल्म

फिल्म 'लग जा गले' की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। यह एक्शन एंटरटेनर फिल्म अगले साल दस्तक देगी।

टाइगर श्रॉफ, जान्हवी कपूर और लक्ष्य बड़े परदे पर साथ आने वाले हैं। बात हो रही है एक्शन फिल्म 'लग जा गले' की। राज मेहता के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया गया है।

अगले साल रिलीज होगी 'लग जा गले'

फिल्म 'लग जा गले' को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म अगले साल मई में रिलीज होने वाली है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जिक्र है। फिल्म की रिलीज डेट अगले साल गर्मियों के लिए लॉक की गई है। 14 मई 2027 को यह फिल्म दस्तक देगी।

दर्शकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

फिल्म में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य दोनों हों, तो जाहिर है एक्शन भी दमदार होगा। इस फिल्म में इंटेंस एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और जान्हवी कपूर के लिए आखिरी उम्मीद समझ लीजिए'। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'इन दोनों के बीच लक्ष्य कहां से फंस गया'। वहीं, कुछ दर्शक फिल्म को लेकर उत्साह जता रहे हैं।

'पेद्दी' में नजर आ रहीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेद्दी' में नजर आ रही हैं। हालांकि, फिल्म में उन्हें अपनी भूमिका के लिए काफी ट्रोल किया गया है। वहीं, लक्ष्य को बीते दिनों 'चांद मेरा दिल' में देखा गया था। इसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आई थीं। बीते महीने यानी मई में रिलीज हुई यह फिल्म भी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी। हालांकि, खास असर नहीं कर पाई।

राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार– द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट का एलान

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 07 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान अविनाश अरुण संभालेंगे। बता दें कि 'प्रहार' एक बायोग्राफिकल फिल्म है।

यह फिल्म देश के सबसे प्रसिद्ध वकीलों में से एक उज्ज्वल निकम के जीवन से प्रेरित है। राजकुमार राव ने उज्ज्वल निकम जैसा दिखने के लिए कड़ी मशक्कत की है। उन्होंने बिना किसी बनावटी मेकअप या प्रोस्थेटिक्स के वास्तव में वजन बढ़ाकर खुद को किरदार में ढाला। राजकुमार राव इस मामले में कहते हैं, 'जब तक मैं अपनी मेहनत से वह लुक पा सकता हूं, तब तक मैं प्रोस्थेटिक्स में यकीन नहीं रखता। निकम के लिए मैंने ऐसा ही किया'।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com